केवल मेडिकल व्यवसायियों के लिए

PHARMA NEWS

Editor- Brejesh Kumar Garg | www.medicaldarpan.com | Monthly News Paper

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No. BSR 37/2024-2026 RNI UPBIL/2007/27885

Year 17 | Issue 10| DOP 10 JUNE 2024 | Pages 08 | ₹ 10/- Copy | ✆ 09410434811, medicaldarpan.ctp@gmail.com

Now Also Contact for 3rd Party Manufacturing & PCD DERMA COSMETICS Franchise Business

XENON Pharma Pvt. Ltd. (A WHO-GMP Certified Company)

XENON | MASLIFE | XENON

For PCD Franchise & Distribution Marketing

★ Leaders in introducing 1st time in India products for franchise marketing

★ Achieving Customer Satisfaction is Fundamental to our Business, As we provide latest molecules with highest quality standards.

★ We also Provide Scientific Data, Promotional Inputs & Gift Articles for Ethical Working and Better Promotion

★ Assurance of Timely Delivery, High Quality & Cost Effective Product Range.

★ Also contact for 3rd party manufacturing and PCD franchise marketing of DERMA COSMETICS range.

www.xenonpharma.in | info@xenonpharma.in | XENON Pharma Pvt. Ltd. Plot No. 79-80, Sec-6A, IIE, Sidcul, Haridwar-249403 | Contact : +91 9971340555

हृदय ब्लॉकेज के बारे में जागरूकता अभियान को मिली सफलता

बंगलौर: प्राप्त समाचार के अनुसार कर्नाटक के सहयोग से माधवबाग अस्पताल द्वारा आयोजित अभिनव कार्यक्रम कीप इट बीटिंग को सफलता मिली। कार्यक्रम की शुरुआत प्रश्न पूछें और समाधान पाएं नारे के साथ हुई। जयनगर के श्री साईं कन्वेंशन हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। माधवबाग के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गुरुदत्त अमीन ने हृदय रोग के उपचार की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, भारत में हर मिनट चार लोग दिल के दौरे से मरते हैं। हमें हृदय रोग से खुद को बचाने की जरूरत है। नियमित व्यायाम, बुरी आदतों से बचना और तनाव प्रबंधन से मदद मिल सकती है। मधुमेह हृदय रोग का मुख्य कारण है।

मधुमेह को नियंत्रित करने से सभी बीमारियों से बचा जा सकता है। माधवबाग ने मधुमेह नियंत्रण पर व्यापक शोध किया है और तीन महीने की उपचार योजना विकसित की है जिसमें 21 दिन की चिकित्सा, तीन महीने की दवा और तीन महीने का व्यायाम शामिल है। इस उपचार से कई लोग पहले ही लाभान्वित हो चुके हैं। बीमारी की रोकथाम में जागरूकता के महत्व पर जोर देते हुए डॉ. अमीन ने कहा, जागरूकता की कमी से बीमारियां होती हैं। हमें लोगों में बीमारियों के बारे में जागरूकता पैदा करने की जरूरत है।

Our General Divisions: MERRIL | MESTRA | STERILE GENETICS

For any query :- 9719839944 (Call & SMS)

We have more than 2000 Products in our Successfully Running Company.

New Molecules available
Natural Progesterone 200/300/100 mg Tab.
Rifaximine 200/400/550 & Metronidazole 400 mg Tab.
Sultamycillin 375 mg Tab.
Dydrogesterone Tablets IP 10 mg

Emocare (A Neuro Psychiatric Division) | NUECAD Cardiac-Diabetic division | Womana Gyne-infertility division | BEAUKIN (A Derma Division of Merril Pharma)

Piraciti-Plus (Citicoline 200mg + Piracetam 800mg Tab) | Metolip-ER 25/50 (Metoprolol Tartrate 25/50 (ER)) | Gensure-Sachet (L-Arginine 3gm + Proanthocyanidin 75 mg) | Antihist-D (Desloratadine 10 mg)

Velpy-200/300/500 (Sodium Valproate With Valproic Acid) | Nuepido-AS (Clopidogrel 75 mg +Aspirin 75 mg) | Gensure-LC | Tacroril (Tacrolimus Cream 0.03)

Emofexine Tab. (Desvenlafaxine 50mg ER) | Nuepido-Plus (Clopidogrel 75 mg +Aspirin 150 mg) | NMPC-softgel/SR tab/ Inj. | Candigel (Luliconazole 1.0% w/w)

Emofexine Plus -50 (Desvenlafaxine 50 mg + Clonazepam 0.5 mg) | Tenzex-M (Teneligliptin 20mg + Metformin Hydrochloride 500mg) | Gensure-F | Eberil (Eberconazole 30 mg)

Registered Office :-A-401/402, Empire Business Hub, Science City Road, Ahmedabad-380060 (Gujarat)-India,
Email : order@mestrapharma.com, Website : www.mestrapharma.com

BADRIVAS BIOTECH PVT. LTD.
Khasra No. 10 & 11 Village. Makkhanpur Bhagwanpur Roorkee-247661, Dist. Haridwar (Uttarakhand)

New | Nutraceutical, Cosmetic | Diabetic | Cardiac | Beta-lactum | Neuro | Psychiatric

Contact For Export, Manufacturing & Franchise
Approved Section
Tablets | Capsules | Liquid | Ointment | Nutraceuticals
We have more than 5500 Approved Molecules
Welcome for small batches, Third Party Manufacturing, PCD & Export facility available.
Contact No. :- +91 72538 01212, +91 72538 11212, +91 92580 45068
Email :- badrivasindia@gmail.com | www.badrivasbiotech.com

नशीली दवा एस्कफ की तस्करी रोकी, आरोपी ट्रक ड्राइवर गिरफ्तार

असम: प्राप्त समाचार के अनुसार नशीली दवा एस्कफ से भरे ट्रक को पकड़कर तस्करी की घटना पर रोक लगाने में पुलिस को सफलता मिली है। असम पुलिस ने आरोपी ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। जब्त की गई दवा एस्कफ को खांसी के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन इसे नशे के विकल्प के रूप में भी लोग लेते हैं। असम-त्रिपुरा सीमा पर स्थित चुरैबारी चेकपोस्ट पर पुलिस ने अवैध कफ सिरप से भरे ट्रक को पकड़ा। यह ट्रक गुवाहाटी से अगरतला जा रहा था। ट्रक में विभिन्न सामानों में छिपा कर रखे गए एस्कफ के डिब्बे मिले। यह कोडीन घटक के कारण मादक पदार्थ के रूप में दुरुपयोग के लिए खांसी की दवा है। कुल 3,300 बोतलें जब्त की गई।

Contract Research manufacturer
In Quality and state of Art sections of-
AYURVEDIC AYUSH MARK PRODUCTS: TABLET | CAPSULES | OIL | BHASMA | SYRUP
COSMECEUTICALS: SERUM | PSORIASIS | VITILIGO | SKIN CARE | HAIR CARE
ALLOPATHIC: TABLET | CAPSULE | OINTMENT
NUTRACEUTICALS
Rajani Healthcare Products
Office Address: Purva Complex, Sadashiv Peth Pune 411 030, Maharashtra India
Plant: E-18/1, Jejuri MIDC Tel: Purander Dist: Pune Maharashtra India 412 303, www.rajanipharma.com
pharma789@gmail.com, export.rhcp@gmail.com, info@rajanipharma.com, business@rajanipharma.com
+91 20 24471007 +91 20 24473132 +91 9823096996 +91 8793340533 +91 9168316618 +91 9604639665

PCD / FRANCHISEE
V & U Pharmaceuticals
Quality Service Reliability
Where Quality is the Core
All Products of V & U Pharmaceuticals are manufactured under stringent quality control in approved manufacturing facilities.
A NAME SYNONYMOUS TO QUALITY & TRUST
INVITING PROPOSAL FOR FRANCHISEE ACROSS COUNTRY
1. One of the best quality products and packaging.
2. Attractive Pricing.
3. Comprehensive & expanding produt basket
4. Expert Marketing Support/ Print Inputs.
5. Attractive Bonanza
TABLETS/CAPSULES SYRUPS/LIQUIDS RESPULES/ROTACAPS DEVICES/CREAMS
V & U PHARMACEUTICALS
Contact: 7017051435/9999355975
H-1.39N, RIICO Industrial Area, Khushkhera, Bhiwadi, Distt: Alwar, Rajasthan 301707
sales@vnupharmaceuticals.com; vnupharmaceuticals@gmail.com
www.vnupharmaceuticals.com

रजिस्ट्रेशन के बिना चलता मिला अस्पताल किया सील 9 अस्पतालों को नोटिस

हापुड़: प्राप्त समाचार के अनुसार रजिस्ट्रेशन के बिना चल रहे आईएम हॉस्पिटल को सील करने का मामला सामने आया है। वहीं, अन्य नौ अस्पतालों को भी नोटिस सौंपे गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने पंजीकरण के बगैर चल रहे अस्पतालों के खिलाफ अभियान चला रखा है। इसी क्रम में धौलाना थाने के समीप बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे आईएम हॉस्पिटल को विभाग की टीम ने सील कर दिया है। इसके अलावा अन्य कई अस्पतालों के खिलाफ भी कार्यवाही की गई है।

तीन दिन के अंदर प्रमाणपत्र दाखिल करने के निर्देश : एसीएमओ डॉ. प्रवीण शर्मा ने बताया कि धौलाना थाना के पास बिना पंजीकरण चल रहे आईएम नर्सिंग होम को सील कर दिया है। मौके पर मौजूद वार्ड बॉय ने बताया कि गांव देहरा निवासी डॉ. शाहरुख व गांव खिचरा निवासी इरफान द्वारा अस्पताल संचालित किया जा रहा है। इसके अलावा आठ अस्पताल संचालकों को नोटिस जारी कर तीन दिन के अंदर अस्पताल के रजिस्ट्रेशन व विभिन्न मानकों के अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जिन अस्पतालों को नोटिस सौंपे गए हैं, उनमें गांव पिपलैंडा में संचालित न्यूजलाईफ अस्पताल, खुशी हास्पिटल, अल हयात अस्पताल, ग्राम खिचरा में सनराईज अस्पताल, नफीस जनता, धौलाना में आईएम हास्पिटल के नाम शामिल हैं। इनके अलावा भी, नौ अस्पतालों को नोटिस जारी किए गए हैं।

We Welcome Your Inquiries for 3rd Party Manufacturing
Committed to Create Miracles
MIRACLE LIFE SCIENCES
GMP | GLP | FDA APPROVED
Best quality of efficiency Product we directly approved by WHO GMP
With the Wide Range of :
Tablets | Capsules | Liquids | Dry Syrup | Dry-Inj.
Drops | MEDICATED SOAP | Syrup | Ointments | Veterinary Bolus
Beta & Non-Beta | Ophthalmic Drops | Veterinary Inj.
Excellent Packing Like Alu-Alu, Blister & Strip Packing
Brand Promotional Input Like......
Visual aid | Sample Catch covers | Visiting Cards | Product Literature | MR Bags | DCR Pad | Gifts
Trade Enquiries are Welcome for Third Party MFG. / PCD Franchises Distribution on Monopoly basis in PAN India.
M. +91 9897039922, 9897939961, 7037039923
MIRACLE LIFE SCIENCES
(Behind Patanjali Yog Peeth) 148, Village : Bahadarpur Saini, Post: Daulatpur Bahadrabad-249 405, Haridwar (U.K.)
Email : miracle.patel@gmail.com Web: www.miraclelifesciences.in

दवा मूल्य में कटौती की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

पिथौरागढ़। प्राप्त समाचार के अनुसार दवा मूल्य में कटौती की मांग को लेकर दवा प्रति. निधि सड़क पर उतर आए हैं। जिला मुख्यालय में दवा प्रतिनिधियों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि दवाओं के मूल्य में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। महंगी दवाओं के कारण गरीब लोगों को अपना इलाज कराना तक मुश्किल हो गया है। नगर के गांधी चौक में दवा प्रतिनिधि संगठन के अध्यक्ष भुवन पांडे के नेतृत्व में लोग एकत्र हुए। दवा प्रति. निधियों ने सरकार के विरोध में नारेबाजी करते हुए आक्रोश जताया। वक्ताओं ने कहा कि जनहित को देखते हुए दवाओं के मूल्य सरकार को कम करने चाहिए। उन्होंने मुख्य रूप से दवाओं से जीएसटी हटाने या फिर न्यूनतम करने, ऑनलाइन दवाओं की ब्रिकी पर रोक लगाने, जीवन रक्षक दवाएं अस्पतालों में रोगियों को नि:शुल्क उपलब्ध कराने को कहा है। उन्होंने चिकित्सकों से भी सीमांत के दुकानों में उपलब्ध दवाओं को ही पर्ची में लिखने की मांग की है।

अवैध दवा निर्माण कंपनी पर छापेमारी, दो के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे (महाराष्ट्र): अवैध दवा निर्माण कंपनी पर छापेमारी का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने इस संबंध में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह छापेमार कार्रवाई ठाणे जिले के भिवंडी कस्बे के तलावली नाका में की गई। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने गुप्त सूचना के आधार पर भिवंडी कस्बे के तलावली नाका में दवा निर्माण कंपनी पर छापेमारी की गई।

14.64 लाख रुपये की सामग्री जब्त की

जांच के दौरान पता चला कि यहां बिना किसी प्रमाणपत्र के अवैध रूप से पशु चिकित्सा दवाइयों का निर्माण किया जा रहा था। निजामपुरा पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान पशु चिकित्सा दवाएं बनाने में प्रयुक्त सामान और उन्हें पैक करने की सामग्री जब्त की गई। इनकी कुल कीमत 14.64 लाख रुपये है। इस मामले में दो लोगों के खिलाफ औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। हालांकि, अभी तक दोनों आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। उनके पास इन दवाओं के निर्माण की कोई अनुमति नहीं थी। आरोपियों के पास इस दवा निर्माण के लिए शैक्षिक और तकनीकी योग्यता भी नहीं थी। जांच में जुटी पुलिस भिवंडी की अपराध शाखा इकाई द्वितीय के सहायक निरीक्षक धनराज केदारे ने बताया कि आरोपियों ने दवा निर्माण संबंधी सामान कैसे हासिल किया और उत्पाद किसे बेचे गए, इसकी जांच की जा रही है।

झोलाछाप डॉक्टरों पर छापेमारी व अवैध दवा बिक्री पर कार्रवाई के आदेश

हैदराबाद: झोलाछाप डॉक्टरों पर छापेमारी व अवैध दवा बिक्री पर कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं। यह आदेश केंद्र सरकार ने राज्यों को जारी किए हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने जिला चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों (डीएमएचओ) को नियमित निरीक्षण करने और सुधारात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने कहा कि प्रत्येक जिले में झोलाछाप डॉक्टरों की एक सूची भी तैयार की जाएगी। गौरतलब है कि स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में झोलाछाप डॉक्टर सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करते हैं इन लोगों के पास सुरक्षित और प्रभावी चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए जरूरी योग्यता और विशेषज्ञता की कमी होती है। दूसरी ओर, नकली दवाओं की बिक्री न केवल मरीजों के स्वास्थ्य को खतरे में डालती है, बल्कि आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की अखंडता को भी कमजोर करती है।

चीफ फार्मासिस्ट पर गिरी गाज

शाहजहांपुर: प्राप्त समाचार के अनुसार चीफ फार्मासिस्ट जेडी बंसल को उनके पद से हटा दिया गया है। उनकी जगह सुभाष कनौजिया को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह कार्रवाई राजकीय मेडिकल कॉलेज में सर्जिकल सामग्री से भरी पिकअप मिलने के मामले में की गई। बता दें कि राजकीय मेडिकल कॉलेज में रात के समय एक पिकअप को रोककर सुरक्षा कर्मियों ने जांच की थी। पूछताछ में चालक व एक अन्य व्यक्ति मौके से फरार हो गए थे। पिकअप में दवा होने की आशंका के चलते उसे ट्रामा सेंटर के बाहर खड़ा करा दिया था। प्राचार्य डॉ.राजेश कुमार के निर्देश पर गठित कमेटी ने जांच की और पिकअप में लदे दो बोरों को खोला तो उसमें कॉटन और आईबी ड्रिप सेट भरे मिले। इसके अतिरिक्त करीब 30 डिब्बों में टेप, घाव को भरने के लिए उपयोग होने वाली डायना प्लास्ट, ग्लव्स, अलग-अलग साइज की सिरिंज मिली है। सामान को अलग कमरे में रखकर सील कर दिया था। अधिकारियों के अनुसार बरामद सामान की कीमत करीब पांच लाख रुपये है।

पिकअप को जब्त कर लिया गया है। इस मामले में प्राचार्य डॉ.राजेश कुमार ने अस्पताल के फार्मेसी विभाग के चीफ फार्मासिस्ट जेडी बंसल को हटा दिया। उनकी इमरजेंसी में ड्यूटी लगाई है। उनकी जगह पर सुभाष कनौजिया को जिम्मेदारी दी गई। हालांकि, उन्होंने गोदाम में उपलब्ध सामान का लेखा-जोखा नहीं मिलने के चलते चार्ज नहीं संभाला है। अधिकारियों की जांच में सामने आया कि राजकीय मेडिकल कॉलेज के फार्मेसी विभाग में प्राइवेट कर्मी भी कार्य करता था। वह दवाओं के खाली गत्ते आदि बेच लेता था। अस्पताल की ओर से भुगतान नहीं होता था। उस रात पिकअप में चालक के साथ वह प्राइवेट कर्मी भी था। घटना के बाद से वह लापता है। फार्मेसी विभाग में एक बाबू, दो फार्मासिस्ट और एक वार्ड ब्वॉय नियुक्त हैं। बताते हैं कि दवा गोदाम की एक चाभी वार्ड ब्वॉय के पास भी रहती थी। अब वार्ड ब्वॉय के सिर पर भी ठीकरा फोडने की आशंका है। गौरतलब है कि अभी तक बरामद बैच का मिलान, दवा गोदाम के स्टाफ, सिक्योरिटी गार्ड आदि के बयान नहीं हो सके हैं। पुलिस में भी कोई शिकायत दर्ज नहीं करवाई गई है। इस बारे में मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ.राजेश कुमार का कहना है कि पिकअप में सर्जिकल का सामान मिलने के मामले की विभागीय जांच की जा रही है। चीफ फार्मासिस्ट को हटा दिया है। जांच पूरी होने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई जाएगी।

ऑर्किड फार्मा को एंटीबायोटिक दवा संयोजन के विपणन के लिए डीसीजीआई की मंजूरी मिली

नई दिल्ली: ऑर्किड फार्मा ने कहा कि उसे जटिल मूत्र पथ संक्रमण के उपचार के लिए एक एंटीबायोटिक दवा के निर्माण और विपणन के लिए नियामक डीसीजीआई से मंजूरी मिल गई है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने सूखे पाउडर इंजेक्शन के रूप में सेफेपाइम और एनमेटाजोबैक्टम के तैयार खुराक के रूप में निर्माण और विपणन की अनुमति दी है, दवा फर्म ने एक बयान में कहा। हम भारत में रोगियों के लिए उन्नत और किफायती उपचार विकल्पों तक पहुंच का विस्तार करे यह दवा जटिल मूत्र पथ संक्रमणों के उपचार के लिए संकेतित है जिसमें तीव्र पाइलोनफ्राइटिस, वेंटिलेटर-एसोसिएटेड निमोनिया (वीएपी) सहित अस्पताल-अधिग्रहित निमोनिया और बैक्टीरिया शामिल हैं।

ऑर्किड फार्मा ने कहा कि डीसीजीआई ने इसके द्वारा आविष्कृत नई रासायनिक इकाई सक्रिय दवा घटक एनमेटाजोबैक्टम के उत्पादन और विपणन के लिए भी स्वीकृति प्रदान की है। ऑर्किड फार्मा के प्रबंध निदेशक मनीष धानुका ने कहा, भारत में एनमेटाजोबैक्टम की स्वीकृति व्यक्तिगत रूप से संतुष्टिदायक है, क्योंकि एक भारतीय कंपनी होने के नाते, हम भारत में रोगियों के लिए उन्नत और किफायती उपचार विकल्पों तक पहुंच का विस्तार करना चाहते थे। दवा कंपनी ने कहा कि कंपनी एनमेटाजोबैक्टम के सफल लॉन्च और वितरण और देश में गंभीर संक्रमणों के उपचार परिदृश्य को बढ़ाने के लिए सेफेपाइम के साथ इसके संयोजन की प्रतीक्षा कर रही है।

औषधि निरीक्षक ने की छापेमारी, मचा हड़कंप

मसवासी: नशीले इंजेक्शन और नकली दवाइयां बेचे जाने की शिकायत पर औषधि निरीक्षक मुकेश कुमार ने नगर सहित क्षेत्र के गांव बिजारखाता में औचक छापेमारी की लेकिन सूचना लीक हो जाने से उन्हें कामयाबी नहीं मिल सकी। कार्रवाई के डर से मेडिकल स्टोर संचालक दुकानें बंद कर फरार हो गए। नगर सहित क्षेत्र के गांव बिजार खाता और मानपुर उत्तरी में कई मेडिकल स्टोर संचालक चोरी छिपे नशीले इंजेक्शन और नकली दवाईयों की जमकर बिक्री कर रहे हैं। मामले की शिकायत डीएम संग विभागीय अधिकारियों से भी की गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए औषधि निरीक्षक मुकेश कुमार ने टीम के साथ नगर में रजा मेडिकल स्टोर पर औचक छापेमारी की। उन्होंने बताया कि जांच में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 के रूल 65 का अनुपालन नहीं किया जा रहा है एवं क्रय एवं विक्रय अभिलेख प्रस्तुत नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच रिपोर्ट डीएम को भेज दी गई है। औषधि निरीक्षक के छापे की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। कार्रवाई के डर से कई मेडिकल स्टोर संचालक अपनी दुकानें बंद कर फरार हो गए। औषधि निरीक्षक मुकेश कुमार ने कहा है कि फिर से औचक छापेमारी की जायेगी।

चिकित्सा उपकरणों के आयात के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर

नई दिल्ली: चिकित्सा उपकरणों के आयात के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। यह रिट (पीआईएल) दिल्ली स्थित गैर-लाभकारी संगठन, द पेशेंट सेफ्टी एंड एक्सेस इनिशिएटिव ऑफ इंडिया फाउंडेशन (पीएसएआईआईएफ) ने दर्ज कराई है। याचिका में भारत में आयातित सेकेंड-हैंड या नवीनीकृत चिकित्सा उपकरणों की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता की निगरानी करने वाले ढीले नियामक ढांचे के बारे में गंभीर चिंता जताई गई है। याचिका में प्रयुक्त या नवीनीकृत चिकित्सा उपकरणों के आयात से संबंधित मौजूदा नियामक तंत्र की गहन समीक्षा की मांग की गई है।

बताया गया है कि ये उपकरण मरीजों के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा जोखिम पैदा करते हैं और भारत को ऐसे उपकरणों के लिए डंपिंग ग्राउंड के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए कड़े नियमों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है और यह सुनिश्चित किया गया है कि स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में उपयोग किए जाने वाले चिकित्सा उपकरण सुरक्षित और प्रभावी हैं। याचिका में अवैध आयातकों की गतिविधियों को रोकने की भी मांग की गई है।

"यदि किसी का स्वभाव अच्छा है तो उसे किसी और गुण की क्या जरूरत है? यदि आदमी के पास प्रसिद्धि है तो भला उसे और किसी श्रृंगार की क्या आवश्यकता है?" -चाणक्य

फार्मा उद्योग ने कॉस्मेटिक विनिर्माण पर नई अनुसूची एम के प्रभाव पर चिंता जताई

नई दिल्ली: दवा उद्योग ने सरकार की नई अधिसूचित अनुसूची एम के बारे में चिंता जताई है, जिसमें दवा उत्पादन के लिए लाइसेंस प्राप्त इकाइयों में दवाओं के अलावा किसी अन्य वस्तु या उत्पाद के निर्माण पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। मध्यम और लघु उद्योगों का प्रतिनिधित्व करने वाले फेडरेशन ऑफ फार्मा एंटरप्राइजेज (एफओपीई) ने स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा है कि विशेष रूप से कॉस्मेटिक निर्माण के लिए एक नया संयंत्र स्थापित करना वित्तीय रूप से व्यवहार्य नहीं है। इसने मांग की कि ऐसी इकाइयों को क्रीम और लोशन जैसे बाहरी उत्पादों जैसे सामयिक उत्पादों के निर्माण के लिए समर्पित क्षेत्र में सौंदर्य प्रसाधन बनाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

FOPE के प्रतिनिधित्व के अनुसार, संशोधित अनुसूची एम में निर्दिष्ट आवश्यकता ने उन सदस्यों के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं जो मध्यम और छोटे पैमाने के फार्मास्यूटिकल उद्यमी हैं जिनके पास अच्छी विनिर्माण प्रथाओं के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित सुविधाएं हैं। इस आवश्यकता से एक अपवाद प्रदान किया गया था कि 2001 से पहले लाइसेंस प्राप्त इकाइयों को छोड़कर कोई भी विनिर्माण गतिविधि नहीं की जाएगी। उपर्युक्त अपवाद को देखते हुए, 2001 से पहले लाइसेंस प्राप्त इकाइयों को उसी संयंत्र में न्यूट्रास्यूटिकल्स और आयुर्वेदिक दवाओं जैसे संबद्ध वस्तुओं के निर्माण की अनुमति दी गई थी। उन्हें सामयिक उत्पादों यानी बाहरी तैयारियों के लिए बने खंड में कॉस्मेटिक उत्पादों के निर्माण की भी अनुमति दी गई थी।

हृदय रोग में लिपिड की कम आंकी गई भूमिका

मुंबई: हृदय रोग दुनिया भर में मृत्यु दर का एक प्रमुख कारण बना हुआ है, जिसमें उच्च रक्तचाप, धूम्रपान और मधुमेह जैसे जोखिम कारक अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। हालांकि, लिपिड का महत्व, विशेष रूप से एथेरोस्क्लेरोसिस और हृदय स्वास्थ्य के संदर्भ में, अक्सर कम आंका जाता है। इस लेख का उद्देश्य लिपिड और हृदय रोग के बीच जटिल संबंधों को समझना है, व्यापक हृदय देखभाल के लिए लिपिड के स्तर को समझना, जांचना और प्रबंधित करना महत्वपूर्ण है। एथेरोस्क्लेरोसिस, धमनियों का धीरे-धीरे सिकुड़ना और सख्त होना, कई हृदय संबंधी जटिलताओं का एक प्रमुख अग्रदूत है, जिसमें दिल का दौरा और स्ट्रोक शामिल हैं। इस प्रक्रिया के केंद्र में धमनियों की दीवारों के भीतर लिपिड, विशेष रूप से कम घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (एलडीएल) कोलेस्ट्रॉल का संचय होता है। जब एलडीएल कोलेस्ट्रॉल एंडोथेलियम में घुसपैठ करता है, तो यह ऑक्सीकरण से गुजरता है, जिससे एक भड़काऊ प्रतिक्रिया शुरू होती है और सफेद रक्त कोशिकाएं आकर्षित होती हैं। ये कोशिकाएं ऑक्सीकृत एलडीएल को अवशोषित करती हैं, फोम कोशिकाएं बनाती हैं जो प्लाक के विकास में योगदान करती हैं। जैसे-जैसे प्लाक जमा होता है, यह रक्त प्रवाह को बाधित करता है और हृदय संबंधी घटनाओं के जोखिम को बढ़ाता है। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का बढ़ा हुआ स्तर दिल के दौरे के बढ़ते जोखिम से दृढ़ता से जुड़ा हुआ है।

अतिरिक्त एलडीएल कोलेस्ट्रॉल एथेरोस्क्लेरोटिक पट्टिका के गठन और प्रगति को बढ़ावा देता है, जिससे कोरोनरी धमनियों का संकुचन होता है। पट्टिका के टूटने की स्थिति में, रक्त का थक्का बन सकता है, जिससे हृदय की मांसपेशियों में रक्त का प्रवाह बाधित हो सकता है और दिल का दौरा पड़ सकता है। इस प्रकार, लिपिड के स्तर, विशेष रूप से एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को प्रबंधित करना, हृदय संबंधी घटनाओं के जोखिम को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है।

फार्मा कंपनियों पर सख्त हुई गोवा सरकार, दो कंपनियों को कारण बताओ नोटिस

गोवा: फार्मा कंपनियों की मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों में बाहर के राज्यों से भर्ती करने की योजना पर विपक्ष के कड़े विरोध के बाद गोवा सरकार ने सख्ती का रुख किया है। श्रम मंत्री अटानासियो मोनसेरेट के अनुसार राज्य के बाहर नियुक्ति विज्ञापन जारी करने के संबंध में दो दवा कंपनियों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। उनहोंने कहा कि ऐसे भर्ती विज्ञापन जारी करने से पहले कंपनियों को देखना चाहिए कि गोवा में उपयुक्त कार्यबल उपलब्ध है या नहीं। गोवा की फार्मास्युटिकल कंपनियों पर इस समय राज्य सरकार और विपक्ष दोनों की नजरें हैं। इन कंपनियों द्वारा गोवा में अपने मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के लिए राज्य से बाहर के लोगों की नियुक्ति करने का मामला दिन-प्रतिदिन तूल पकड़ता जा रहा है। विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को लेकर फार्मा कंपनियों के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज करवाया था। अब श्रम मंत्री अटानासियो मोनसेरेट ने कहा है कि सरकार श्रम अधिनियम के कुछ प्रावधानों में संशोधन करेगी और रोजगार कानूनों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के खिलाफ कड़ा जुर्माना लगाएगी। मोंसेरेट ने कहा कि राज्य के अधिकारियों को सूचित किए बिना गोवा में रिक्तियों के लिए राज्य के बाहर नियुक्ति विज्ञापन जारी करने के संबंध में दो दवा कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

डेंगू वैक्सीन के क्लिनिकल परीक्षण को जारी रखने की मंजूरी दी

नई दिल्ली: केंद्रीय औषधि विनियामक प्राधिकरण के तहत एक विशेषज्ञ समिति ने चरण-I अंतरिम नैदानिक परीक्षण के आशा. जनक परिणामों को देखते हुए सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (SII) के डेंगू के टीके के चरण-II नैदानिक परीक्षण को जारी रखने की सिफारिश की है। सीरम इंस्टीट्यूट ने टेट्रावैलेंट लाइव एटेन्यूएटेड डेंगू वैक्सीन की सुरक्षा और प्रतिरक्षात्मकता का आकलन करने के लिए ऑस्ट्रेलिया में 18 से 45 वर्ष की आयु के 60 स्वस्थ व्यक्तियों पर चरण-डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण किया। NIAID , NIH, USA से वैक्सीन स्ट्रेन प्राप्त होने के बाद भारत में एक टेट्रावैलेंट लाइव एटेन्यूएटेड डेंगू वैक्सीन का निर्माण किया गया। एसआईआई ने डेंगू टेट्रावैलेंट वैक्सीन (लाइव, एटेन्यूएटेड) के चरण-I अंतरिम नैदानिक परीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिस पर 31 मई को पैनल द्वारा चर्चा की गई। एसईसी की सिफारिशों में कहा गया है, विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, समिति ने चरण I अंतरिम नैदानिक परीक्षण के परिणामों को नोट किया और अनुमोदित प्रोटोकॉल के अनुसार चरण II नैदानिक परीक्षण जारी रखने की सिफारिश की।

नोवो की बेंगलुरु टीम मधुमेह की दवा का कर रही प्रचार

बेंगलुरु: नोवो नॉर्डिस्क की ब्लॉकबस्टर दवा ओजेम्पिक के पीछे का रहस्य डेनिश दवा कंपनी की भारत टीम है, जिसने मधुमेह के इलाज के लिए सेमाग्लूटाइड-आधारित दवा के उल्कापिंड उदय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ओजेम्पिक और वजन प्रबंधन के लिए एक और सेमाग्लूटाइड-आधारित दवा वेगोवी की सफलता ने न केवल डेनमार्क की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया है, बल्कि नोवो नॉर्डिस्क के बाजार पूंजीकरण को टेस्ला से आगे निकलने में भी मदद की है। नोवो नॉर्डिस्क में कॉर्पोरेट वीपी और वैश्विक व्यापार सेवाओं के प्रबंध निदेशक जॉन डॉबर ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में चिकित्साकृत मोटापा तेजी से बढ़ा है, और हर कोई इसमें रुचि रखता है। लेकिन नोवो नॉर्डिस्क की शोध यात्रा लगभग दो दशक पहले शुरू हुई थी। मधुमेह के लिए नए उपचारों में कंपनी के शोध ने वजन प्रबंधन के लाभों की खोज की, जिससे एक अलग शोध कार्यक्रम शुरू हुआ। डॉबर ने कहा कि इन उत्पादों की मांग ने कंपनी को चौंका दिया है। बेंगलुरु स्थित नोवो नॉर्डिस्क ग्लोबल बिजनेस सर्विसेज (जीबीएस) की टीमों ने ओजेम्पिक कार्यक्रम में योगदान देने के लिए वैश्विक टीमों के साथ सहयोग किया है। डॉबर ने कहा कि बेंगलुरु की टीम सेमाग्लूटाइड दवा पर मुख्यालय के साथ मिलकर काम करती है, जो नैदानिक परीक्षणों, जैव सांख्यिकी, डेटा प्रबंधन, फार्माकोविजिलेंस और वैश्विक सुरक्षा पर काम करती है। वर्तमान में, इसमें 4,000 कर्मचारी कार्यरत हैं।

नोवो नॉर्डिस्क जीबीएस में वैश्विक सुरक्षा के उपाध्यक्ष डॉ प्रसन्ना कुमार टीएस ने बेंगलुरु में बायोस्टैटिस्टिक्स इकाई की भूमिका के बारे में बताया, जो ओजेम्पिक के लिए सभी सांख्यिकीय विश्लेषण और रिपोर्टिंग करती है। हमारे परीक्षण सांख्यिकीविद् और नैदानिक डेटा वैज्ञानिक प्रोटोकॉल विकास से लेकर नियामक अधिकारियों को परीक्षण/उत्पाद प्रस्तुत करने तक परीक्षण दल के साथ जुड़े रहते हैं।

नमक के अधिक सेवन से बढ़ सकती है त्वचा में सूजन की संभावना

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार एक नए अध्ययन में पाया गया है कि नमक के माध्यम से आमतौर पर ग्रहण किए जाने वाले सोडियम के उच्च स्तर से एक्जिमा का खतरा बढ़ सकता है, जो शुष्क और खुजली वाले पैच वाली त्वचा की सूजन संबंधी स्थिति है। पिछले अध्ययनों में पाया गया है कि त्वचा में मौजूद सोडियम एक्जिमा सहित ऑटोइम्यून और क्रोनिक सूजन संबंधी स्थितियों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने यह भी दिखाया है कि अत्यधिक आहार सोडियम युक्त फास्ट फूड का सेवन किशोरों में एक्जिमा की संभावना और उसकी गंभीरता को बढ़ाने से जुड़ा है। नए अध्ययन में पाया गया है कि दैनिक सिफारिश से एक ग्राम अतिरिक्त सोडियम खाने से एक्जिमा के फैलने की संभावना 22 प्रतिशत बढ़ सकती है।

एक ग्राम सोडियम मोटे तौर पर आधा चम्मच टेबल नमक या अंतरराष्ट्रीय फास्ट फूड चेन मैकडॉनल्ड्स द्वारा बेचे जाने वाले हैमबर्गर बिग मैक में मौजूद मात्रा के बराबर होता है। जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन एक दिन में दो ग्राम से कम सोडियम सेवन की सलाह देता है, यूके की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के अनुसार, अनुशंसित सोडियम सेवन प्रतिदिन 2.3 ग्राम है। अमेरिका के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय सैन फ्रांसिस्को (UCSF) के अध्ययन के शोधकर्ताओं ने कहा कि हाल के वर्षों में, विशेष रूप से औद्योगिक देशों में, पुरानी त्वचा की स्थिति अधिक आम हो गई है, जिसका अर्थ है कि आहार जैसे पर्यावरणीय और जीवनशैली कारकों की इसमें भूमिका है। इसलिए, सोडियम का सेवन सीमित करना एक्जिमा रोगियों के लिए अपनी बीमारी का प्रबंधन करने का एक आसान तरीका हो सकता है, उन्होंने कहा। निष्कर्ष द जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (JAMA) डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित हुए हैं। यूसीएसएफ में त्वचा विज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर और अध्ययन की संवाददाता लेखिका कैटरीना अबुबारा ने कहा, रोगियों के लिए एक्जिमा के प्रकोप से निपटना मुश्किल हो सकता है।

कोलपोस्कोपी की जागरूकता बढ़ाने की कोशिश

मुंबई: भारत सीरम एंड वैक्सीन लिमिटेड ने फेडरेशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया की पब्लिक अवेयरनेस कमेटी के साथ साझेदारी की है ताकि कोल्पोस्कोपी की जागरूकता बढ़ाई जा सके, जो एक नैदानिक विधि है जो गर्भाशय ग्रीवा, योनि और योनी की विस्तृत जांच की अनुमति देती है, ताकि कैंसर से पहले के परिवर्तनों और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का जल्द चल सके। पहली कोल्पोस्कोपी कार्यशाला डॉ प्रिया गणेश, अध्यक्ष, स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी समिति, एफओजीएसआई द्वारा न्यू रामकृष्ण सेवासदन अस्पताल, सिलीगुड़ी में आयोजित की गई थी।

प्रतिबंधित दवाएं बेचने वाला अंतरराष्ट्रीय गिरोह पकड़ा

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कैंसर और शुगर की प्रतिबंधित दवाओं का कारोबार करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान सीरियाई नागरिक मोनिर अहमद, दिल्ली के दवा व्यापारी सौरभ गर्ग, नवीन आर्य और करण खनेजा के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से चार करोड़ रुपये के औपडिवो इंजेक्शन, लेनविमा व अन्य बीमारी की रेवोलेड, एर्बिटक्स समेत अन्य दवाएं बरामद की हैं। मोनिर तुर्किये और मिस्र से दवाएं लाकर भारत में बेचता था और यहां की दवाएं वहां के बाजार में बेचता था। डीसीपी क्राइम ब्रांच राकेश पावरिया ने बताया कि एनसीआर में थोक दवा विक्रेताओं की ओर से प्रति. बंधित व अपंजीकृत दवाएं बाजार में बेचने की सूचना मिली थी। चार अप्रैल को लालकिले के पास भागीरथ पैलेस स्थित श्रीराम इंटरनेशनल ट्रेडर्स पर छापा मारा गया। कंपनी का निदेशक नवीन आर्य पिछले चार वर्ष से कंपनी चला रहा है। प्रतिबंधित व अपंजीकृत जीवनरक्षक दवाएं बेच रहा था।

एसएमएस अस्पताल में लगेंगे 101 एसी, 50 कूलर एवं 20 वाटर कूलर, गर्मी से मिलेगी राहत

जयपुर: हीटवेव प्रबंधन एवं रोगियों को अस्पताल में सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल में करीब 74 लाख रुपये की लागत से एसी, कूलर एवं शीतल पेयजल के लिए वाटर कूलर लगाए जाएंगे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने इन संसाधनों को आरएमआरएस में उपलब्ध राशि से खरीद के लिए स्वीकृति प्रदान की है।

श्रीमती सिंह ने बताया कि प्रदेश में हीटवेव की प्रबलता के चलते चिकित्सा संस्थानों में समुचित प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने विगत दिनों तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आरएमआरएस में उपलब्ध राशि का युक्तिसंगत उपयोग करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में सवाई मानसिंह अस्पताल में आवश्यक संसाधनों की खरीद के लिए 74 लाख 13 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि इस राशि से अस्पताल के विभिन्न वार्डों, आईसीयू, ओपीडी, दवा वितरण केन्द्रों, जांच केन्द्रों, रजिस्ट्रेशन काउंटर सहित अन्य स्थानों पर 101 एयर कंडीशन, 50 डेजर्ट कूलर एवं 20 वाटर कूलर लगाए जाएंगे। इससे अस्पताल में आने वाले रोगियों एवं परिजनों को गर्मी से राहत मिल सकेगी। उल्लेखनीय है कि अतिरिक्त मुख्य सचिव ने 23 मई को एसएमएस अस्पताल में आकस्मिक निरीक्षण किया था। उन्होंने अधिकारियों को कंटीजेंसी प्लान बनाकर हीटवेव से संबंधित व्यवस्थाओं को पुख्ता करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी ने अस्पताल में हीटवेव से बचाव और इसके उपचार संबंधी सभी प्रकार की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए हैं। जयपुरिया अस्पताल में और सुदृढ़ हुईं व्यवस्थाएं भीषण गर्मी एवं लू-तापघात की स्थिति को देखते हुए राजकीय जयपुरिया चिकित्सालय में भी व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया गया है। अस्पताल में कूलर, पंखों एवं एसी आदि की संख्या में बढ़ोतरी के साथ ही, अन्य सुविधाओं में भी इजाफा किया गया है। उल्लेखनीय है कि अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा 27 मई को किए गए निरीक्षण में व्यवस्थााओं को और बेहतर करने के निर्देश दिए गए थे। निर्देशों की पालना में अधीक्षक डॉ. महेश मंगल ने अस्पताल में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए हैं। अस्पताल के नोडल अधिकारी, उप निदेशक प्रशासन राजमेस श्री खेमाराम यादव ने बताया कि चिकित्सालय के सभी रजिस्ट्रेशन काउंटरों, वार्डों, प्रतीक्षालय एवं अन्य स्थानों पर पंखों एवं कूलरों की संख्या बढ़ाई गई है तथा बैठने एवं शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई है। रजिस्ट्रेशन काउंटर के बाहर एवं अन्य स्थानों पर छाया हेतु ग्रीन नेट लगवाई गई है। खराब एसी सही होने तक वैकल्पिक इंतजाम के रूप में बडे कूलर लगाए गए हैं। सभी वार्डों में कूलरों की संख्या बढ़ाई गई है तथा एग्जास्ट फैन भी लगाए गए हैं। शौचालयों एवं परिसर में साफ-सफाई की स्थिति को बेहतर किया गया है।

कैंसर दवा घोटाले में डॉक्टर्स की भूमिका की होगी जांच, हाईकोर्ट के निर्देश

जयपुर: आरजीएचएस में कैंसर दवा घोटाले में राजस्थान हाईकोर्ट ने डॉक्टर्स की भूमिका की जांच करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि दुकानदार और डॉक्टर्स की मिलीभगत के बिना यह घोटाला संभव नहीं। राज्य में स्वास्थ्य योजना आरजीएचएस में कैंसर दवा के नाम पर हुए करोड़ों रुपये के घोटाले में नया मोड़ आया है। राजस्थान हाईकोर्ट ने इस घोटाले पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि दुकानदार और डॉक्टर्स की मिलीभगत के बिना यह घोटाला हो नहीं सकता। ऐसे में डॉक्टर्स की भूमिका की सही ढंग से जांच होनी चाहिए। इन निर्देशों के चलते अब डॉक्टर्स की भूमिका की जांच की जाएगी। मेडिपल्स के डॉ. विनय व्यास, एम्स, निजी व सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर्स की भूमिका को लेकर डीआईजी एसओजी के सुपरविजन में इस घोटाले में उनकी भूमिका की जांच होगी। गौरतलब है कि आठ माह पहले बासनी थाने में दर्ज हुए इस मामले में पुलिस, साइबर क्राइम व एसओजी की जांच झंवर मेडिकल के जुगल झंवर व उनके बेटे तुषार झंवर तक ही केंद्रित रही। अब जांच एजेंसी ने डॉक्टर्स को इस व्यापक घोटाले में बुक तक नहीं किया है। इस पर एसओजी की ओर से कहा गया है कि डीआईजी के दिन-प्रतिदिन के सुपरविजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रैंक के अधिकारी से जांच करवाई जाएगी। बता दें कि सितंबर 2023 में आरजीएचएस के संयुक्त परियोजना निदेशक डॉ. अभिषेक सिंह किलक ने आरजीएचएस के इस दवा घोटाले की जानकारी मिलने पर बासनी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई था। उन्होंने बताया था कि ज्ञात हुआ है कि आरजीएचएस लाभार्थी मोहन कंवर काफी समय से लगातार मेडीप्लस अस्पताल जोधपुर से इलाज लेकर स्तन कैंसर बीमारी की महंगी दवाइयां एक ही मेडीकल स्टोर जालोरी गेट स्थित झंवर मेडीकल से ले रही है। इस मामले को संज्ञान में लेकर एमडी इण्डिया टीम के राज्य प्रमुख डॉ. प्रशांत क्षेत्रिय को इस संबंध में जांच के लिए कहा गया। मरीज मोहन कंवर के स्तन कैंसर के बारे में जांच की गई तो पता चला कि वो चलने-फिरने में असमर्थ है। ऐसे में मामला पुलिस तक पहुंचा।

औषधी निरीक्षक आशुतोष चोबे को बुके भेंट की

प्राप्त समाचार के अनुसार छुटमालपुर केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील सैनी महामंत्री योगेश रुहेला और कोषाध्यक्ष अंकित अग्रवाल और उपाध्यक्ष वरुण शर्मा और सहारनपुर से विवेक चौहान और शिव कुमार राणा ने सहारनपुर के औषधी निरीक्षक आशुतोष चोबे को बुके और मिठाई देकर शिष्टाचार मुलाकात की और अपने दवा के व्यवसाय में होने वाली प्राब्लम के बारे में विस्तार से बात की और एसोसिएशन के अध्यक्ष और महामंत्री औषधी निरीक्षक के विचार सुन कर बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने कहा की आप बहुत ही कुशल व्यवहारिक औषधी निरीक्षक हो आप सहारनपुर में कार्यरत हुए ये हमारे सौभाग्य की बात है और ड्रग इंस्पेक्टर चोबे जी ने सभी मेडिकल स्टोर वाले को साफ सफाई रखने के लिए विशेष संदेश दिया और साथ ही केमिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष सुशील त्यागी ने छुटमलपुर एसोसिएशन को कहा की आप सब सही काम करे संगठित होकर चले हम आपके साथ है कही कोई समस्या हो तो हमारी एसोसिएशन आपके साथ है।

टोरेंट फार्मा ने वोनोप्राजन के लिए टेकेडा फार्मा के साथ गैर-अनन्य पेटेंट लाइसेंसिंग समझौते पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली: अहमदाबाद स्थित टोरेंट ने कहा कि उसने भारत में वोनोप्राजन की बिक्री के लिए टेकेडा फार्मा के साथ एक गैर-अनन्य पेटेंट लाइसेंसिंग समझौता किया है। वोनोप्राजन का उपयोग गैस्ट्रोओसोफेगल रिफ्लक्स रोग (जीईआरडी) के उपचार के लिए किया जाता है। समझौते के अनुसार, टोरेंट वोनोप्राजन को अपने स्वयं के ट्रेडमार्क, कावबी के तहत विपणन करेगा। इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी द्वारा प्रकाशित 2019 के एक अध्ययन से पता चला है कि भारतीय आबादी में जीईआरडी का प्रचलन लगभग 8.2 प्रतिशत है, जिसमें शहरी आबादी में लगभग 11.1 प्रतिशत का उच्च प्रचलन है। AWACS MAT अप्रैल 2024 के आंकड़ों के अनुसार , GERD में उपयोग किए जाने वाले उपचारों का भारतीय बाजार 8,064 करोड़ रुपये का है, जो पिछले चार वर्षों में 8 प्रतिशत CAGR से बढ़ रहा है। कंपनी ने एक बयान में कहा, केबवी जैसे पी-सीएबी की उपलब्धता, भारतीय आबादी के लिए जीईआरडी के नए और प्रभावी उपचारों को सुलभ बनाएगी।

एक अस्पताल ने इलाज के लिए मांगे आठ लाख, दूसरे अस्पताल ने 128 रुपये में कर दिया ठीक

प्राप्त समाचार के अनुसार परिजनों का आरोप है कि मरीज का वॉल्व खराब बताकर उसे डराया गया। यह भी कहा, जल्दी करो, वरना आधे घंटे में मरीज मर जाएगा। परिजनों ने असमर्थता जताई और दूसरे अस्पताल ले जाने लगे तो भड़के डॉक्टर व स्टाफ उनसे अभद्रता करने लगा। जिस मरीज की जान को खतरा बताते हुए मेदांता अस्पताल ने इलाज के लिए आठ लाख रुपये मांगे, उसे दूसरे निजी अस्पताल ने मात्र 128 रुपये की दवा देकर ठीक कर दिया। मरीज को गैस की समस्या हुई थी।

उधर, मेदांता के डॉक्टर मरीज के वॉल्व बदलने की बात कर रहे थे। तीमादारों का यह भी आरोप है कि जब उन्होंने मेदांता अस्पताल में इलाज करवाने में असमर्थता जताई तो उनसे अभद्रता की गई। बड़ी मुश्किल से मरीज को छोड़ा गया। तीमारदार ने मुख्यमंत्री से लिखित शिकायत करते हुए मेदांता अस्पताल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। इसके बाद मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। जानकारी अनुसार सुशांत गोल्फ सिटी के मोहन स्वरूप भारद्वाज 23 मई को घर पर गश खाकर गिर गए। शरीर से पसीना आने लगा। भाई व पत्नी उन्हें लेकर मेदांता अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने एंजियोग्राफी समेत अन्य जांचें कीं। इसके बाद मरीज के हार्ट में वॉल्व बदलने की बात कहते हुए इलाज के लिए करीब आठ लाख रुपये की तत्काल व्यवस्था करने को कहा। यह भी कहा, जल्दी करो, वरना आधे घंटे में मरीज मर जाएगा। परिजनों ने दो लाख रुपये होने की बात कहते हुए इलाज करवाने में असमर्थता जताई और मरीज को दूसरे अस्पताल ले जाने लगे। आरोप है कि इस पर भड़के डॉक्टर व स्टाफ उनसे अभद्रता करने लगा। काफी देर की मशक्कत पर मरीज को छोड़ा। उधर, दूसरे निजी अस्पताल में मरीज को गैस की समस्या दूर करने वाले दो इंजेक्शन व कुछ दवाएं दी गईं। इसका खर्च मात्र 128 रुपए आया। सेहत में सुधार होने के बाद मरीज को डिस्चार्ज कर दिया गया।

हमने तो त्वरित इलाज दिया : मेदांता हॉस्पिटल के अधीक्षक के मुताबिक मरीज ओपीडी में चेस्ट दर्द के साथ आए थे। जांच में उनके खून में ट्रोपोनिन आई की मात्रा ज्यादा मिली। पता चला कि उन्हें हार्ट की प्रॉब्लम है। ईसीजी में हार्ट में ब्लाकेज के संकेत मिले। एंजियोग्राफी में में पता चला कि एक नाड़ी में सौ और दूसरी में 80 प्रतिशत ब्लॉकेज है। एंजिप्लास्टी का सुझाव दिया गया, जिसके लिए मरीज और उनकी पत्नी तैयार नहीं थे। हॉस्पिटल से जाते वक्त सारी जांच रिपोर्ट दे दी गई, जिसके रिकॉर्ड हॉस्पिटल में हैं। मरीज से कोई अनुचित व्यवहार या अभद्रता नहीं की गई।

सुबह-शाम एक-एक गिलास ऊंटनी का दूध पीने से नहीं लेना पड़ेगा इंसुलिन इंजेक्शन

देश के वैज्ञानिकों ने गैर गोजातीय पशुओं के दूध के उत्पादन और उपयोग पर जोर देना शुरू कर दिया है। वैज्ञानिक इनके दूध पर गहन अनुसंधान करने में जुटे हैं। कुल दूध उत्पादन में भेड़, बकरी, ऊंट, मिथुन व याक का योगदान 5 प्रतिशत है। वैज्ञानिकों के अनुसार ऊंट और बकरी के दूध की बात करें तो यह कई खतरनाक बीमारियों से बचाव में उपयोगी है। सुबह-शाम एक-एक गिलास ऊंटनी का दूध पीने से मधुमेह (डायबिटीज) रोगियों को इंसुलिन इंजेक्शन नहीं लेना पड़ेगा, जबकि बकरी का दूध खुद में एक औषधी है। इंसानी मां के दूध के बाद नवजात बच्चों के लिए कोई सर्वोत्तम गुणकारी दूध है तो वह बकरी का दूध है। राजस्थान की रायका बिरादरी के लोगों के सर्वेक्षण में पाया कि उनको डायबिटीज की बीमारी नहीं है। क्योंकि यह लोग पशुपालन के तौर पर ऊंट पालन करते हैं। राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र बीकानेर के निदेशक डॉ. अर्तबंधु साहू ने कहा कि गैर गोजातीय पशुओं का दूध उत्पादन में योगदान 5 प्रतिशत है। ऊंटनी के दूध में मंदबुद्धि बच्चों में सुधार आता है। ऐसे बच्चे यह दूध पिएंगे तो उनमें समझ-बूझ बढ़ती है। आंत व अन्य संक्रामक रोगों से बचाव में लाभकारी है। ऊंटनी में 12 से 15 लीटर का दूध देने की क्षमता है। इनकी संख्या की बात करें तो राजस्थान में सबसे ज्यादा 2 लाख 13 हजार, गुजरात 36 हजार 500 और, हरियाणा, पंजाब, यूपी व एमपी में 10 हजार है। गुजरात में अमूल सर्व डायरी ने ऊंटनी के दूध का कलेक्शन शुरू किया है। 51 रुपए प्रति लीटर रेट रखा है। दिल्ली, बैंगलोर, चेन्नई व मुंबई जैसे बड़े शहरों में ऊंटनी का दूध 300 से 500 रुपये में बिकता है। मथुरा के निदेशक डॉ. मनीष चटली ने कहा कि बकरी एक एटीएम है। देश में 3.3 करोड़ किसान इससे जुड़े हैं। देश में 15 करोड़ बकरी हैं, जिनसे 7.6 मिलियन टन दूध मिल रहा है, जो दुनिया के दूध का 33 प्रतिशत है। इसके दूध की डिमांड बढ़ रही है। चटली ने कहा कि बकरी का दूध मात्र दूध नहीं है वे तो इसे औषधी के रूप में देखते हैं।

देश में 2047 तक प्रतिदिन एक लीटर दूध उपलब्ध कराने का टारगेट

देश में वर्ष 2047 तक प्रति व्यक्ति प्रतिदिन एक लीटर दूध उपलब्ध कराने का टारगेट रखा गया है। फिलहाल प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 444 ग्राम दूध उपलब्ध कराया जा रहा है। जो वैश्विक औसत 322 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिदिन से अधिक है। वर्तमान में भारत का वार्षिक दूध उत्पादन 230.58 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) है, जिसे 2047 तक बढ़ाकर 660 मिलियन मीट्रिक टन किया जाना है। राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान एवं कुलपति डॉ. धीर सिंह ने कहा कि दूध उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए पशुपालकों को अच्छे दुधारू नस्ल के सांड व भैंसों का सीमन उपलब्ध होगा, जिसके लिए क्लोन टेक्नोलॉजी से हर साल दो अच्छी नस्ल के दो सांड पैदा किए जा रहे हैं।

लाजपत नगर स्थित अस्पताल में लगी आग

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली के लाजपत नगर स्थित आई7 चौधरी आई सेंटर में आग लग गई। सूचना मिलने पर दमकल विभाग के अधिकारी 16 दमकल गाड़ियों के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। अभी तक किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है। अस्पताल नई दिल्ली के लाजपत नगर इलाके में विनोबापुरी मेट्रो स्टेशन के पास स्थित था। विस्तृत जानकारी का इंतजार है। इससे पहले गुरुग्राम के एंबियंस मॉल के पीछे एक बैंक्वेट हॉल में भीषण आग लग गई थी। हाल ही में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने नियामक प्रोटोकॉल और अग्नि सुरक्षा मानदंडों के सख्त अनुपालन पर जोर दिया था। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं में मरीजों (बाह्य एवं आंतरिक दोनों तरह के मरीजों), कर्मचारियों और आगंतुकों की सुरक्षा और भलाई अत्यंत महत्वपूर्ण है। हाल ही में, कुछ स्थानों पर आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। ये घटनाएं उप-इष्टतम विद्युत रखरखाव के कारण शॉर्ट सर्किट और/या एयर-कंडीशनर और अन्य उपकरणों के उपयोग के कारण बिजली लाइनों के ओवरलोड होने का परिणाम हैं। अस्पतालों में आग के खतरों से जुड़े संभावित जोखिमों को देखते हुए, आग को रोकने, उसका पता लगाने और प्रभावी ढंग से उसका जवाब देने के लिए सख्त प्रोटोकॉल और उपाय किए जाने चाहिए। एक मजबूत अग्नि सुरक्षा योजना की स्थापना और अग्नि-निकासी और सुरक्षा अभ्यास आयोजित करने से न केवल नियामक आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित होगा बल्कि जान-माल की सुरक्षा भी होगी।

स्वप्न शास्त्र

शरीर पर तेल मलना

शारीरिक कष्टों से मुक्ति मिलेगी तथा स्वास्थ्य में सुधार होगा। चर्म रोगों से मुक्ति होगी तथा सौंदर्य में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी तथा मानसिक संतोष की प्राप्ति होगी। पारिवारिक सदस्यों के मध्य दूरियां कम होंगी तथा एक साथ रहने का अवसर प्राप्त होगा। परिजनों के मध्य स्नेह एवं विश्वास की स्थापना होगी। सरकारी कार्यों में सफलता प्राप्त होगी तथा रुके हुए सरकारी कार्य पुनः प्रारम्भ होंगे तथा सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण रूप होंगे। अथक प्रयत्नों से बिगड़े हुए कार्य बनेंगे तथा लाभ की प्राप्ति होगी। आर्थिक प्राप्ति का समय अच्छा है। आय के नये स्त्रोत खुलेंगे तथा जीविकोपार्जन की कठिनाइयां दूर होंगी। शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त होगी तथा आत्म-विश्वास में वृद्धि होगी। विरोधी परास्त होंगे तथा मानसिक सुख की प्राप्ति होगी। धन की कमी दूर होगी तथा व्यय पर अंकुश लगेगा। धन का संचय होगा एवं घरेलू सुख के साधनों में वृद्धि होगी। नये-नये कार्यों की योजनाएं बनेंगी तथा नवीन व्यापार करने का अवसर प्राप्त होने की संभावना हैं आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा तथा घर में धन का निरन्तर आगमन होगा।

डॉ॰ सुरेन्द्र कुमार शर्मा

नेवला देखना

स्थिति अत्यंत गंभीर है, शत्रु प्रत्येक तरीके से हानि पहुंचाएंगे। इसी कारण हर समय भयभीत रहेंगे। परिवार के सदस्यों की जान को भी खतरा हो सकता है। मौका मिलते ही शत्रु आक्रमक करेंगे और आपको हानि पहुंचाएंगे। व्यर्थ ही वाद-विवाद होगा और चोट भी लगने की संभावना है। शत्रु व्यापार आदि में अवरोध पैदा करेंगे। व्यापार में हिस्सेदार विश्वासघात करेगा और बहुत बड़ी हानि उठानी पड़ सकती है। सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

– डॉ॰ सुरेन्द्र कुमार शर्मा, मो॰ 9711034710, 8630907504

भारत विकास परिषद् उत्तराखंड पूर्व प्रांत की प्रांतीय कार्यशाला का रुद्रपुर में हुआ आयोजन

भारत विकास परिषद् उत्तराखंड पूर्व प्रांत की प्रांतीय कार्यशाला एवं दायित्व ग्रहण समारोह का आयोजन होटल सोनिया रूद्रपुर में किया गया। इस प्रांतीय कार्यशाला का आतिथ्य भारत विकास परिषद् रुद्रपुर शाखा द्वारा किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ भारत विकास परिषद् के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील खेड़ा, उत्तर मध्य क्षेत्र-1 के क्षेत्रीय संरक्षक भगवान सहाय अग्रवाल, क्षेत्रीय संगठन सचिव शरत चंद्र, क्षेत्रीय संयुक्त सचिव नरेन्द्र अरोरा, उत्तराखंड पूर्व प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष नरेश कंसल, प्रांतीय महासचिव हरीश शर्मा, रुद्रपुर शाखा के अध्यक्ष विष्णु सक्सेना, सचिव राहुल सिंघल, कोषाध्यक्ष शक्ति बाठला, उपसचिव जतिन अग्रवाल ने संयुक्त रूप से मां भारती और स्वामी विवेकानंद जी के चित्र के सम्मुख दीप जलाकर व तत्पश्चात वंदेमातरम् से किया गया। दायित्व ग्रहण समारोह में उत्तर मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन सचिव शरत चंद्र द्वारा प्रांतीय अध्यक्ष के लिए नरेश कंसल, प्रांतीय महासचिव के लिए हरीश शर्मा, प्रांतीय वित्त सचिव के लिए दीपक अरोरा, प्रांतीय महिला संयोजिका के लिए गीतू केसरवानी एवं अन्य दायित्वधारियों को शपथ दिलाई गई। भारत विकास परिषद् के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील खेड़ा ने भारत विकास परिषद् के उद्देश्य, लक्ष्य, पांच सूत्र (संपर्क, सहयोग, संस्कार,सेवा, एवं समर्पण) एवं कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में बताया। उत्तर मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन सचिव शरत चंद्र ने शाखा के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं अन्य दायित्वधारियों की प्रभावी भूमिका के बारे में बताया।

हरीश कुमार शर्मा, खटीमा
Mob 95681 25699

जीएसटी जांच विंग फार्मा कंपनियों की जांच का दायरा बढ़ाएगी

एफई को पता चला है कि पहले से भेजे गए नोटिसों के अलावा, डीजीजीआई कई और कंपनियों से यह भी पूछेगा कि चालू वर्ष में उनके द्वारा किस आधार पर कम कर भुगतान किया गया है। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) दवा कंपनियों द्वारा बकाया भुगतान न करने के संदेह में कर चोरी की जांच तेज करने जा रहा है। पहले से भेजे गए नोटिसों के अलावा, डीजीजीआई कई और कंपनियों से यह भी पूछेगा कि चालू वर्ष में उनके द्वारा कर का कम भुगतान क्यों किया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ये नोटिस ब्रांड ट्रांसफर बिक्री पर जीएसटी का भुगतान न करने, एक्सपायर हो चुकी दवाओं और व्यावसायिक सहायता सेवाओं पर फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दावा करने और रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म के तहत भुगतान न करने से संबंधित हो सकते हैं।

इन सभी नोटिसों में बताई जाने वाली संयुक्त कर देनदारी करीब 1,000 करोड़ रुपये है और अब तक दवा कंपनियों द्वारा 450-500 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। एक अधिकारी ने कहा, अभी तक किया गया भुगतान वित्त वर्ष 23 और वित्त वर्ष 24 में जारी किए गए नोटिसों के लिए है; लेकिन कई कंपनियों ने अभी तक भुगतान नहीं किया है। हम इस साल भी ऐसे और नोटिस जारी करेंगे। अधिकारी ने बताया कि सभी प्रमुख दवा निर्माताओं को नोटिस भेजे गए हैं, जैसे सन फार्मा, मैनकाइंड फार्मा, जाइडस हेल्थकेयर, सिप्ला, आदि। इन कंपनियों को FE द्वारा भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। आरएसएम इंडिया के निदेशक सिद्धार्थ सुराना ने कहा कि जारी किए गए नोटिसों में एक आम मुद्दा एक्सपायर हो चुकी दवाओं के लिए इनपुट टैक्स क्रेडिट रिवर्सल का मुद्दा है। आमतौर पर, जब दवाइयां स्टॉकिस्टों को भेजी जाती हैं, तो वे एक्सपायरी डेट के साथ आती हैं। अगर स्टॉकिस्ट इन दवाओं को एक्सपायर होने से पहले बेचने में विफल रहते हैं, तो वे उन्हें फार्मा कंपनियों को वापस कर देते हैं, जो फिर इन उत्पादों को अपनी पुस्तकों में लिख देती हैं। सुराना ने बताया, जीएसटी अधिकारियों का तर्क है कि जिन मामलों में दवाओं को लिखा जाता है, उन दवाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल पर इनपुट टैक्स क्रेडिट को उलट दिया जाना चाहिए। सूत्रों का कहना है कि कंपनियाँ वर्तमान में ऐसे नोटिसों की वैधता का अलग से विश्लेषण कर रही हैं, और अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए सरकार को ज्ञापन दिया है। सूत्रों ने कहा कि यदि दवा कंपनियां निचले स्तर के अधिकारियों की जीएसटी मांगों का अनुपालन नहीं करती हैं, तो उन्हें जुर्माना और दंड सहित कानूनी कार्रवाइयों का सामना करना पड़ सकता है। एसडब्लू इंडिया के प्रैक्टिस लीडर-अप्रत्यक्ष कर अंकुर गुप्ता ने कहा कि कानूनी कार्यवाही से कम्पनियों को अपने तर्क और साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा, जिससे यह सिद्ध हो सके कि उनके व्यय और लेन-देन वैध हैं तथा उनके व्यवसाय के लिए आवश्यक हैं।

जिला अस्पताल के निकट प्रतीक मेडिकल पर राहगीरों के लिए लगाया निशुल्क शरबत वितरण शिविर

प्राप्त समाचार के अनुसार गर्मी के प्रकोप को देखते हुए राजगीरों की मदद को आगे आए समाज सेवी संगठन और व्यापारी भीषण गर्मी के चलते जिला अस्पताल के निकट प्रतीक शर्मा मेडिकल हॉल के स्वामी आनंद प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में शरबत वितरण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक राहगीरों को ठंडाशरबत पिलाकर उनकी प्यास बुझाई, इस मौके पर मेडिकल स्वामी आनंद प्रकाश शर्मा ने बताया कि गर्मी के मौसम में पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य का काम होता है। गर्मी के इस मौसम में छबील पर सेवा में लगे दुकानदारों की श्रद्धा देखते ही बनती थी। सेवा में लगे मार्ग से गुजरने वाले प्रत्येक वाहन को रोक रोककर शरबत वितरण किया। इन्होंने श्रद्धा पूर्वक उन्हें इसलिए यह कार्यक्रम रखा गया प्रतीक शर्मा और कर्मचारी जीशान, विक्की सैनी, के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

डॉकप्लिक्स ने उत्पाद विकास, एआई एकीकरण, बाजार विस्तार के लिए 1.2 करोड़ रुपये जुटाए

लखनऊ: हेल्थ-टेक कंपनी डॉकप्लिक्स ने इंफ्लेक्शन प्वाइंट वेंचर्स की अगुवाई में ब्रिज राउंड में 1.2 करोड़ रुपये जुटाए हैं। जुटाई गई राशि का उपयोग उत्पाद विकास, एआई एकीकरण और बाजार विस्तार के लिए किया जाएगा। इसमें उनके ईएचआर सिस्टम को बढ़ाना, निर्णय समर्थन और रोगी देखभाल में सुधार के लिए उन्नत एआई क्षमताओं को शामिल करना और बड़े क्लीनिकों और अस्पतालों में अपने अभिनव स्वास्थ्य देखभाल समाधानों को लाने के लिए अपने बाजार पहुंच का विस्तार करना शामिल होगा।

स्टार्ट-अप 1.4 बिलियन लोगों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटाइज करके भारत में स्वास्थ्य सेवा को बदलने के मिशन पर है। कंपनी की। BDM& अनुपालन इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड (EHR) प्रणाली रोगी डेटा के सुरक्षित और इंटरऑपरेबल प्रबंधन को सुनिश्चित करती है। कंपनी की एकीकृत निर्णय समर्थन प्रणाली (DSS) स्वास्थ्य पेशेवरों को डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से सूचित निर्णय लेने में मदद करती है इन्फ्लेक्शन पॉइंट वेंचर्स के संस्थापक और सीईओ विनय बंसल ने कहा, डॉक्टरों और मरीजों के बीच सूचनाओं के आसान आदान-प्रदान के लिए सभी नागरिकों की स्वास्थ्य पहचान रिपोजिटरी बनाने के लिए सरकार की पहल आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन कोई छोटी उपलब्धि नहीं है।

डॉकप्लिक्स के शक्तिशाली प्लेटफॉर्म, वेलनेस प्रोग्राम और टियर II और III शहरों में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को संबोधित करने से कंपनी में निवेश करने का हमारा फैसला प्रभावित हुआ। कंपनी ने डॉक्टरों के लिए एक व्यापक और गहन। सक्षम इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड (EHR) प्रणाली बनाई है, जिसने खुद को डिजिटल स्वास्थ्य सेवा समाधानों में अग्रणी के रूप में स्थापित किया है। स्टार्ट-अप 2,000 से अधिक डॉक्टरों को सेवा प्रदान करता है, जो कम सेवा वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की जरूरतों को पूरा करने के लिए टियर II और टियर III शहरों में कार्यक्रमों और दूरस्थ क्लीनिकों के माध्यम से अपनी पहुंच बढ़ाता है। कंपनी अपने लगातार बढ़ते ग्राहक आधार के साथ 93 प्रतिशत की नवीनीकरण दर के साथ तेजी से विकास का अनुभव कर रही है।

कर्म ही पूजा है

राजस्थान सरकार राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए एआई-आधारित तकनीक का उपयोग करेगी

जयपुर: चिकित्सा विज्ञान में नवाचारों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों का उपयोग करके राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ तथा रोगी अनुकूल बनाया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों का एक दल नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का दौरा करेगा और चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम कार्यों, नवाचारों और तकनीकों का अध्ययन करेगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि राजस्थान में विभिन्न नवाचारों के माध्यम से चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है ताकि रोगियों को गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके और उनके परिजनों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इस बीच, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार राज्य में पर्यावरण संरक्षण प्रयासों को नई गति देते हुए मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान चलाएगी।

डा0 अखिलेश अग्रवाल
MBBS : M.S. (ophth.)
नेत्र चिकित्सक एवं फेको सर्जन

ECO-2021-0153

समय-प्रात: 10 बजे से 2.30 बजे
सांय 6 से 8 बजे तक (रविवार सांयकाल अवकाश)

डा. अंशू अरोड़ा
MBBS, MS, FRCS
रेटिना (आंख का परदा) सर्जन
प्रत्येक बृहस्पतिवार 11 से 1 बजे तक

डा. रितु राज बरूआ
MBBS, MS
(ओक्युलोप्लास्टिक सर्जन) Max Hosptal, Delhi
पलन का गिरा होना, नासूर, आंखों का तिरछा होना
पलकों का सूजन (Orbital Fracture etc.)
प्रत्येक माह का तीसरा सोमवार समय: 10 से 12 बजे

- मोतियाबिन्द के बाद झिल्ली हटाने की सुविधा। (Carl-zeiss-Yag Laser)
- OCT द्वारा आँख के पर्दे (Retina) की जाँच। (Nidek Oct-Retina Scan Duo)
- Field Charting - Humphreys Field Analyzer द्वारा।
- Lenstar द्वारा मोतियाबिन्द में लैंस के नम्बर की सटीक जांच।

On Panel - ECHS (ईसीएसएस), *Ayushman Bharat* (आयुष्मान भारत)
Ericson, Health India, Max Buppa, Signa TTK, IFFCO Tokio, Aditya Birla Health, Raksha TPA, Vipul TPA, Heritage India, Star health insurance, Care health insurance

जनपद बुलन्दशहर का एकमात्र
NABH Accredited हॉस्पिटल
फेको सर्जरी (बिना टांके का मोतियाबिन्द का आपरेशन)
विश्व की सर्वोत्तम मशीन (Ozil-Centurion Gold) मशीन द्वारा

ओजस आई केयर
जनपद में एकमात्र सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल

दिल्ली रोड, भूड़, बुलन्दशहर।
मैनेजर–8923081777, रिसेप्शन–8979415070, 9219414085

क्षणिकाएं
1. कभी – कभी मौन,
अद्भुत शक्ति लाती।
दैनिक दिनचर्या में, एक
ऊर्जा भर आती।
2. माता का लाड़, पिता
का प्यार।
जो भी पाएगा, प्रथा
चलाएगा।
3. खूब तो कमाया,
नींदु भूल पाया। चैन को
गंवाया, क्या लाभ भाया।
4. अपनी व्यथा, किसी को
न सुनाओ। स्वयं विचारो,
स्वयं ही सुलझाओ।
5. हर समस्या का,
सुलझाव तो चाहिए। मनन
करते जाईए, समस्या को
सुझाइए।
6. सच्चा मित्र, आपकी
गलतियां। आपको
बतलाएगा, बेहतर बनाएगा।

डॉ. नरेन्द्र नाथ लाहा. 27, ललितपुर कॉलोनी डा० पी० एन० लाहा मार्ग लश्कर, ग्वालियर (म०प्र०)
मो० न० : 9826611169

टांडा में औषधि निरीक्षक की सख्त कार्रवाई संदिग्ध दवाओं के नमूने लैब भेजे गए

टांडा रामपुर: औषधि निरीक्षक मुकेश कुमार द्वारा जिलाधिकारी एवं सिटी मजिस्ट्रेट रामपुर के निर्देशन में नकली, अधोमानक एवं नशीली दवाओं, एवं प्रतिबंधित दवाइयों की रोकथाम के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है उक्त के क्रम में न्यू ए एस मेडिकल स्टोर टांडा गवर्नमेंट हॉस्पिटल के सामने एवं रजा मेडिकल स्टोर मसवासी रामपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 के रूल 65 का अनुपालन नहीं किया जा रहा है एवं क्रय एवं विक्रय अभिलेख प्रस्तुत नहीं किया गया। इसलिए ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 के अंतर्गत 22 (1) लगाकर न्यू एस मेडिकल स्टोर का 3 दिन के लिए बंद कर दी गई एवं अन्य मेडिकल स्टोर टांडा स्थित दुकान बंद करके भाग गए। निरीक्षण आख्या सहायक आयुक्त औषधि मुरादाबाद मंडल को प्रेषित किया जा रहा है अथवा 2 संदिग्ध नमूने न्यू एस मेडिकल से लिया गया है जो की स्टेट ड्रग टेस्टिंग लैबोरेट्री लखनऊ भेजा जा रहा है टेस्ट रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

ल्यूपिन ने सनोफी ब्रांड आरने और नालक्रोम का अधिग्रहण किया

मुंबई: वैश्विक फार्मा प्रमुख ल्यूपिन लिमिटेड (ल्यूपिन) ने घोषणा की है कि उसकी यूरोपीय इकाई ल्यूपिन अटलांटिस होल्डिंग्स एसए ने जर्मनी में आरने और कनाडा और नीदरलैंड में नालक्रोम का अधिग्रहण पूरा कर लिया है, साथ ही सैनोफी से संबंधित ट्रेडमार्क अधिकार भी हासिल कर लिए हैं। इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए ल्यूपिन के कॉरपोरेट डेवलपमेंट के अध्यक्ष डॉ फैब्रिस एग्रोस ने कहा, यह अधिग्रहण विभिन्न श्वसन रोगों और स्थितियों से पीड़ित रोगियों के इलाज में हमारी वैश्विक स्थिति को मजबूत करेगा और यह गैस्ट्रो-आंत्र देखभाल में सहायक परिसंपत्तियों को जोड़ता है जो ब्रांडेड उत्पादों के हमारे पोर्टफोलियो को व्यापक बनाता है। ल्यूपिन के अनुसार यह अधिग्रहण विशेष क्षेत्रों में अपनी वैश्विक उपस्थिति बढ़ाने की उनकी रणनीति के अनुरूप है, और लूफोरबेकज्ड की शुरूआत के बाद, नव स्थापित फ्रैंचाइज के विस्तार में सहायता करके जर्मनी में कंपनी के श्वसन व्यवसाय को बढ़ाएगा।

नालक्रोम (सोडियम क्रोमोग्लिकेट ओरल) एंटी-एलर्जिक्स नामक दवाओं के एक समूह से संबंधित है, जिसका उपयोग मुख्य एलर्जी को सीमित करने के साथ-साथ विशिष्ट एलर्जी के प्रति संवेदनशीलता के लिए पर्याप्त परीक्षण के बाद खाद्य एलर्जी का इलाज करने के लिए किया जाता है। जबकि, एरेन (सोडियम क्रोमोग्लिकेट/रेप्रोटेरोल हाइड्रोक्लोराइड प्रेशराइज्ड इनहेलेशन) एक क्रोमोन कॉम्प्लेक्स है जिसका उपयोग अचानक अस्थमा के हमलों (जैसे, एलर्जी के रूप या परिश्रम, तनाव या संक्रमण से ट्रिगर होने वाले) के तीव्र उपचार और व्यायाम-प्रेरित अस्थमा की लक्षित रोकथाम या संभावित एलर्जेन संपर्क के मामलों में किया जाता है।

एविल इंजेक्शन की खेप से भरी ईको गाड़ी पकड़ी, दो आरोपी फरार

गजरौला, अमरोहा (उप्र): एविल इंजेक्शन की खेप से भरी ईको गाड़ी पकड़ी गई है। पुलिस को देखकर दो आरोपी मौके से फरार हो गए। संभावना जताई जा रही है कि दवाई के इंजेक्शनों को आसपास में ही बनाया जा रहा था। घटना दरियापुर खादर के निकट गंगा तट बांध की है। ब्रजघाट चौकी पुलिस ने गाड़ी से 2450 एविल इंजेक्शन बरामद किए हैं। ब्रजघाट चौकी इंचार्ज नीतेंद्र वशिष्ठ के अनुसार चौकी स्टाफ के साथ गंगा तट बांध पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि दरियापुर खादर के सामने गंगा तट बांध पर एक ईको गाड़ी खड़ी है। दो युवक उसमें कुछ सामान लाद रहे हैं। पुलिस को अपने पास आते देख दोनों आरोपी मौके से भाग निकले। एक आरोपी का आधार कार्ड वहीं गिर गया। पुलिस ने ईको गाडी और आधार कार्ड जब्त कर लिया है। इसकी सूचना औषधि निरीक्षक रुचि बंसल को दी। मौके पर पहुंचीं औषधि निरीक्षक ने जांच पड़ताल करने पर बताया कि ईको एविल के इंजेक्शन बरामद हुए हैं और इनकी संख्या 2450 है। पुलिस को मिले आधार कार्ड के जरिए पता चला कि गाड़ी दिल्ली की है और किराए पर लाया गया था।

आशंका जताई गई है कि नकली दवाई के इंजेक्शनों को दिल्ली और अन्य शहरों में सप्लाई किए जाने की तैयारी थी। पुलिस ने ईको को सीज कर दिया। पुलिस के अनुसार ईको से बरामद इंजेक्शनों के रेपर पर मुंबई की कंपनी का नाम लिखा था। पुलिस और ड्रग्स इंस्पेक्टर ने कंपनी से बात की तो कंपनी मालिक ने इंकार कर दिया। उसने बताया कि इस नाम की दवाई के इंजेक्शन उनके यहां नहीं बनते। इससे स्पष्ट है कि इंजेक्शन गजरौला या हसनपुर क्षेत्र में ही बनाए जा रहे हैं।

एंटीएलर्जिक दवा है एविल इन्जेक्शन औषधि निरीक्षक ने बताया कि एविल इन्जेक्शन एक एंटी एलर्जिक दवा है। यह रासायनिक मैसेंजर (हिस्टामाइन) की क्रिया को अवरुद्ध करके काम करता है। यह कीट के काटने/स्टिंग, कुछ दवाओं, हाइव्स (रैशेस, सूजन आदि) के कारण हुए गंभीर एलर्जिक रिएक्शन के लक्षणों से राहत देता है। इसके लगाने से नींद भी आती है। ऐसे में नशे के आदी लोग इसका प्रयोग करते हैं। कब्जे में लिए गए सभी इंजेक्शन नकली हैं या असली, इसकी जांच के लिए सैंपल को लैब में भेजा गया है। गाड़ी से इन इंजेक्शन की खरीद से संबंधित कोई बिल भी नहीं मिला है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

नमकीन फैक्ट्री की आड़ में चल रहा था नकली कॉस्मेटिक सामान बनाने का धंधा

कैंट के मोहड़ा में गोशाला के पास नमकीन फैक्ट्री पायल बेकरी एंड नमकीन इंडस्ट्रीज की आड़ में नकली ने कॉस्मेटिक बनाने का धंधा चल रहा था। दिल्ली से हिंदुस्तान यूनिलीवर के मैनेजर राजेश व मनोज के साथ सीआईए-2 ने दबिश दी तो 5 महिला कर्मचारी काम करती मिलीं। कार्यवाही देर शाम तक चली। मौके पर ड्रमों के अंदर तैयार किया कच्चा माल, क्लीनिक प्लस व डव शैंपू की खाली बोतलें, रैपर, फेसवॉश, लैकमे आइकोनिक काजल, वैसलीन के नाम से तैयार की हुबहू बोतलें, बच्चों की ग्रोथ के लिए इस्तेमाल होने वाले ग्लूकोप्लस सी के डिब्बे, डाबर रेड टूथ पेस्ट, करीब 5 मशीनें बरामद की गई। तथा मौके से 2 हजार लीटर लिक्विड शैंपू, 6 हजार खाली बोतलें, 2 रोल रैपर बरामद किए गए। सीआईए-2 के इंचार्ज नरेश कुमार ने बताया कि मोहड़ा में फैक्ट्री की सूचना के बाद रेड की गई। सूचना मिली थी कि यहां शैंपू, फेस क्रीम डुप्लीकेट तैयार की जा रही हैं। सूचना के बाद संबंधित कंपनी के अधिकारियों को साथ लेकर रेड की गई।

निजी अस्पताल में मेडिकल स्टोर से एक्सपायरी दवा बरामद

बोकारो: गोमिया के निजी अस्पताल में स्थित मेडिकल स्टोर से एक्सपायरी दवा बरामद की गई है। बोकारो उपायुक्त के निर्देश पर बेरमो एसडीओ अशोक कुमार ने मां शारदे सेवा सदन नामक निजी अस्पताल का लगातार दूसरे दिन भी औचक निरीक्षण किया। बता दें कि सर्पदंश से बच्ची की मौत मामले में परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया था। वहीं, घटना के बाद अस्पताल को सील कर दिया गया था बता दें कि बीते 29 मई को सर्पदंश से एक नौ वर्षीय बच्ची की मौत हो गई थी। बच्ची के परिजनों ने बोकारो उपायुक्त से इस बारे में शिकायत की थी। परिजनों ने गोमिया स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ. चंचला कुमारी पर आरोप लगाया था कि जिस समय पीड़ित बच्ची को लेकर गोमिया स्वास्थ्य केंद्र गए थे, उस समय ऑन डयूटी डॉ. चंचला कुमारी अस्पताल में उपस्थित नही थीं। इस कारण समय पर बच्ची का इलाज नहीं हो सका और इलाज में लेट होने से बच्ची की मौत हो गई। वहीं, बेरमो एसडीओ अशोक कुमार ने बताया कि बोकारो उपायुक्त के निर्देश पर आवश्यक कार्रवाई की गई है। इस बात की भी जांच की गई कि डॉक्टर चंचला कुमारी प्राइवेट हॉस्पिटल में प्रैक्टिस करती हैं।

कानोता में 3200 किलो वेजिटेबल सॉस नष्ट करवाया

जयपुर: चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से मिलावट के खिलाफ निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त श्री इकबाल खान के निर्देशन में शनिवार को कानोता क्षेत्र में कार्रवाई कर 3200 किलो वेजिटेबल सॉस नष्ट करवाया गया। अतिरिक्त आयुक्त श्री पंकज ओझा ने बताया कि जयपुर द्वितीय क्षेत्र के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने गौरव धारा कॉलोनी, कानोता स्थित मैसर्स रिद्धि सिद्धि इंडस्ट्रीज के कारखाने पर छापा मारा गया। यहां 3200 किलो वेजिटेबल सॉस लगभग 25 प्लास्टिक के ड्रम में रखा पाया गया। यह सॉस कद्दू के पल्प से तैयार किया गया था। इसमें घटिया एवं अखाद्य रंग मिलाकर सॉस तैयार किया जा रहा था। इस सॉस की 900 ग्राम की पैकिंग का मूल्य मात्र 25 रुपए था, जबकि बाजार में ब्रांडेड कंपनियों की सॉस की बोतल की कीमत इससे काफी अधिक है। फैक्ट्री में साफ सफाई की स्थिति भी ठीक नहीं पाई गई। मौके पर ना तो फूड लाइसेंस पाया गया और ना ही किसी कर्मी का मेडिकल फिटनेस और ना ही पानी की जांच रिपोर्ट पाई गई।

जून एवं जुलाई माह के व्रत एवं त्यौहार

12.06.2024	बालश्रमनिषेधदिवस
14.06.2024	रक्तदानदिवस
21.06.2024	योगदिवस
22.06.2024	संतकबीरजयंती
26.06.2024	विश्व नशा विरोधदिवस
01.07.2024	डाक्ट्रर्स डे
04.07.2024	श्रीविवेकानन्द पुण्य:
08.07.2024	श्रीबल्लभाचार्य पुण्य:

मैडीकल दर्पण मीडिया हाऊस की ओर से जन्मदिन पर ढेर सारी शुभकामनाएं

MR. SATISH SARDA JI	CHANDRAPUR	12/06/1978	9595690565
SHRI MUKESH KUMAR JI	BULANDSHAHR	13/06/1986	9808123477
SHRI LALIT P.PATKAR JI	NASHIK	13/06/1985	9403725809
SHRI KRIAHAN KUMAR RAUT JI	GONDIA	14/06/1980	9325003575
SHRI NARENDRA TANDEKAR JI	GONDIA	14/06/1984	9923066401
SHRI S.P. SINGH JI	BULANDSHAHR	14/06/1985	7500582017
SHRI SHRIKANT MORE JI	SATARA	15/06/1985	8855006522
MR. BASUDEV SAHOO JI	CUTTACK	15/06/1979	9437356627
SHRI CHETAN AGRAWAL JI	NASHIK	15/06/1993	9766092888
SHRI JITENDRA BATRA JI	AGRA	16/06/1976	9258801383
SHRI SUNIL CHHAJED JI	DHULE	17/06/1967	9823271255
SHRI VINAY N. KABRA JI	JALGAON	17/06/1958	9890057949
SHRI CHAITANJ J. MAHAJAN JI	JALGAON	17/06/1982	9822312112
SHRI VIKAS GUPTA JI	AGRA	18/06/1985	9758047100
SHRI UMESH PATEL JI	PATAN	19/06/1978	9824174058
SHRI TARUN KR. GUPTA JI	BULANDSHAHR	19/06/1989	7417920630
SHRI PRASHANT S. JAIN JI	DHULE	20/06/1982	9421245293
SHALU JI	ALIGARH	20/06/1995	9758395613
MOHD. SHAFIQUE SHAIKHE JI	NASHIK	20/06/1981	9881146986
SHRI DEVARAM SHOUDHRY JI	SURAT	21/06/1988	9429989890
SHRI MAHESH PRASAD GUPTA JI	BARGARH	26/06/1979	9861280953
SHRI LALIT S. KINGER JI	DHULE	28/06/1975	9923423223
SHRI SURENDRA MOHAN SINGH JI	BULANDSHAHR	28/06/1987	8630654874
SHRI SRIJAL PATEL JI	BALAGHAT	28/06/1993	9993495065
SHRI NILESH CHAUDHARI JI	JALGAON	28/06/1977	7588009625
SHRI DEVENDRA RADHEKRRISHNA BAHEKAR JI	GONDIA	29/06/1968	7709108362
SHRI SANJAY L. PARMAR JI	SURAT	29/06/2015	9574244189
SHRI VINAYAK M. JUNEKAR JI	BELGAUM	30/06/1980	9980706531
SHRI AMIT GUPTA JI	AGRA	30/06/1974	9219238984
MR. SHARAD PATIL JI	WARDHA	01/07/1977	9503971776
SHRI NILESH B. PAL JI	WARDHA	01/07/1976	9922782871
SHRI RAJDEEP M. FULZEL JI	NAGPUR	01/07/1976	9373946499
SHRI PRAVIN LADDHA JI	JALGAON	01/07/1959	9822667770
SHRI MUEHUL R.PATEL JI	PATAN	02/07/1998	9924077700
SHRI BHARAT SINGH RAO JI	SURAT	02/07/1986	9601038387
SHRI JAGDISH PRASAD CHAUDHARY JI	ALWAR	02/07/1973	9828342939
SHRI BHARAT MOHANLAL TOLANI JI	DHULE	03/07/1971	9422795946
SHRI MANOJ KUMAR GARG JI	AGRA	03/07/1972	9411961610
SHRI. SACHIN KUMAR JI	BULANDSHAHR	03/07/1976	9917116423
MR. VIJAY KUMAR JI	MEERUT	04/07/1973	9837671474
SHRI KISHOR SHARMA JI	PUNE	04/07/1980	8975046079
SHRI DAVARIYA JI	SURAT	05/07/1990	9913296896
MOHD. RIYAZ	AGRA	05/07/1974	9897671595
DR. DUSYANT SINGH SOLANKI JI	BULANDSHAHR	05/07/1998	6395341166
SHRI A.K ROY (BANGALI JI)	BULANDSHAHR	05/07/1953	7063773454
SHRI SHAM BHAU YEOLO	GONDIA	05/07/1954	9595614861
SHRI PARMANAND SINGHAL JI	ALWAR	05/07/1964	9414215410
SHRI RAMESH F. CHANDIWAL JI	JALGAON	06/07/1948	2572223516
SHRI VISHAL CHAURASIYA JI	AGRA	07/07/1977	9319204978
SHRI SANTOSH B.UGALE JI	NASHIK	07/07/1981	9527600077
SHRI KETAN V.BHAMARE JI	NASHIK	08/07/1988	9579932168
SHRI SANJAYKUMAR CHAURASIYA JI	AGRA	08/07/1966	9927413511
DR. R.K. VERMA JI	BULANDSHAHR	08/07/1989	9837238714
SHRI LALIT GOYAL JI	BULANDSHAHR	08/07/1993	9548201602
SHRI. NARENDRA KUMAR JI	BULANDSHAHR	08/07/1997	9761622517
SHRI MANOJ JAIN JI	ALWAR	08/07/1967	9461137140
SHRI HAREN GANDHI JI	VADODARA	09/07/1959	9825012218
DR. GAUTAM GAMBHIR JI	MEERUT	09/07/1978	9058162614
SHRI PRADIP K. SURANA JI	NASHIK	10/07/1963	9422271745
SHRI. MANVIRPAL SINGH JI	BULANDSHAHR	10/07/1980	9758887902
SHRI RAJESH KUMAR JI	AGRA	10/07/1988	8445863900
DR. RANJEET SINGH JI	BULANDSHAHR	10/07/1994	7409646848
SHRI VIRPAL SINGH JI	BULANDSHAHR	10/07/1980	9758887902

नशीली दवा के साथ युवक गिरफ्तार

पंचकूला: नशीली दवा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। एंटी नारकोटिक्स सेल ने आरोपी युवक से 1200 नशीली दवाइयां बरामद की। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विमल कुमार के रूप में हुई है, जो वर्तमान में टंगरा गांव कालका में किराए पर रहता था। एंटी नारकोटिक्स सेल के इंस्पेक्टर ने बताया कि उन्हें गुप्त जानकारी मिली थी कि आरोपी विमल कुमार कालका पिंजौर में ऑटो चलाता है और नशीली दवाइयां बेचने का भी काम करता है। आरोपी से पुलिस रिमांड के दौरान ही मामले का खुलासे हो सकेगा कि आरोपी कहां से नशे की गोलियां खरीद कर लाता है और इसे कहां-कहां पर सप्लाई करता है। पुलिस ने सूचना के आधार पर अपनी टीम के साथ कालका पिंजौर में दबिश दी। पुलिस ने नाकाबंदी कर वहां से गुजरने वाले हर शख्स की तलाशी ली। उसी दौरान एक युवक पैदल हाथ में बैग लेकर आ रहा था।

जांच में नकली मिली दवाइयां

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार जांच में फेमस दवाइयां नकली पाई गई हैं। दिल्ली की चार और झारखंड की एक फार्मेसियों में बेची जा रही आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली पांच दवाओं के सैंपल अप्रैल माह में लिए गए थे। नियामक अधिकारियों के निरीक्षण में ये सैंपल नकली मिले हैं। सीडीएससीओ ने इस संबंध में ड्रग अलर्ट जारी किया है। गौरतलब है कि केंद्रीय औषधि प्राधिकरण मासिक आधार पर सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से नकली दवाओं पर डेटा एकत्र करता है। सीडीएससीओ के अनुसार दिल्ली में नकली पाई गई दवाओं में एचआईवी उपचार में इस्तेमाल होने वाली इंस्टाग्रा टैबलेट, रक्तचाप कम करने वाली दवा (टेल्मिसर्टन 40 मिल. ीग्राम और एम्लोडिपाइन 5 मिलीग्राम टैबलेट) के नाम शमिल हैं।

इनके अलावा, माइग्रेन के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा (डोम्पेरिडोन और नेप्रोक्सन सोडियम टैबलेट) और एंटीबायोटिक रिफैक्सिमिन भी शामिल रही हैं। झारखंड में एक अन्य एंटीबायोटिक, लैक्टिक एसिड बैसिलस के साथ सेफिक्सिम ट्राइहाइड्रेट का सैंपल संबंधित राज्यों के निर्माता और राज्य लाइसेंसिंग अधिकारियों द्वारा किए गए भौतिक तुलना और विश्लेषणात्मक परीक्षणों के आधार पर नकली मिला था। मिजोरम और त्रिपुरा, पांडिचेरी के राज्य औषधि लाइसेंसिंग प्राधिकरण ने कहा कि उन्हें अपने अधिकार क्षेत्र में नकली दवाएं नहीं मिलीं। सीडीएससीओ के अनुसार यूपी निर्धारित प्रारूप में डेटा जमा करने में विफल रहा। आंध्र, अरुणाचल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड, बंगाल, अंडमान के राज्य दवा लाइसेंसिंग प्राधिकरण सीडीएससीओ ने कहा कि निकोबार, दादरा नगर और हवेली, दमन और दीव और लक्षद्वीप ने अप्रैल महीने के लिए नकली दवा चेतावनी के संबंध में कोई डेटा जमा नहीं किया है।

विदेश से भारत में आ रही थीं कैंसर की नकली दवाएं, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली: तुर्की, मिस्त्र व सीरिया से भारत में कैंसर और मधुमेह की नकली दवाओं की आपूर्ति के मामले में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने सीरिया के नागरिक समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से चार करोड़ की नकली दवाएं बरामद की गई हैं। आरोपी तीन साल से विदेशों से नकली दवाएं सप्लाई कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राकेश पावरिया ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी भागीरथ प्लेस में श्रीराम इंटरनेशनल ट्रेडर शॉप नाम से दवा की दुकान चलाने वाला नवीन आर्य, कैंसर पीड़ितों को लाने वाला व टैरी व्हाइट लाइफ केयर का संचालक सौरभ गर्ग, करण खनेजा और सीरियाई नागरिक मोनिर अहमद हैं। मो. निर ही नवीन आर्य, सौरभ गर्ग और करण खनेजा को नकली दवाएं बेचता था। आरोपी ये दवाएं दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, आगरा व लखनऊ में सप्लाई करते थे। असली की आड़ में करते थे नकली दवा की सप्लाई साइबर सेल में तैनात इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह को सूचना मिली थी कि दिल्ली व एनसीआर के इलाके में कुछ थोक व खुदरा दवा विक्रेता नकली और अपंजीकृत जीवनरक्षक और कैंसररोधी दवाएं और लाइफस्टाइल दवाएं बेच रहे हैं। इनमें नोवार्टिस कंपनी की रेवोलेड, कीटुडा, मर्क केजीजीए की एर्बिटक्स, नोवो नॉर्डिस्क कंपनी की ओजेम्पिक और लेनविमा शामिल हैं। आरोपी असली दवा की आड़ में नकली दवाओं की आपूर्ति करते हैं।

डी-फार्मा डिप्लोमा दिलाने के नाम पर वकील से लाखों की ठगी, एफआईआर दर्ज

पीलीभीत: डी-फार्मा डिप्लोमा दिलाने के नाम पर अधिवक्ता से 1.80 लाख रुपये ठगे जाने का मामला सामना आया है। बरेली निवासी जालसाज और उसकी अपनी पत्नी व अन्य साथियों पर ठगी का आरोपी लगा है। पीडित ने बताया कि डी-फार्मा डिप्लोमा दिलाने के नाम पर आरोपी ने उससे रुपये लिए और परीक्षाओं के नाम पर भी दूर-दराज इलाक. ों में भेजा। मगर जब डिप्लोमा देने का समय आया तो वह टालमटोल करने लगा। इसके बाद मोबाइल स्विच ऑफ भी कर लिया।

कोतवाली पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। टैगोर नगर आवास विकास कॉलोनी के रहने वाले आलोक मिश्र एडवोकेट ने बताया कि अगस्त 2020 में उसका संपर्क बरेली जनपद के थाना कैंट क्षेत्र के लता दीप कॉलोनी के धर्मेंद्र शर्मा उर्फ डीके से हुआ। उसने खुद को नेशनल पैरामेडिकल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन एंड साइंस चंदौली का संचालक बताया। पीड़ित को डी-फार्मा डिप्लोमा अध्ययन कर परीक्षा उपरांत दिलाने का आश्वासन दिया गया। 31 अगस्त 2020 को पीलीभीत में पीडित के घर आकर 64 हजार रुपये लिए और प्रवेश शुल्क की रसीद दी। इसके बाद आरोपी के निर्देशानुसार उज्जैन ग्वालियर आदि स्थानों पर आयोजित परीक्षाओं में पीडित शामिल हुआ। वर्ष 2020 से 12 जुलाई 2022 तक करीब 1.80 लाख रुपये का भुगतान पीलीभीत के बैंक व नेट द्वारा आरोपी धर्मेंद्र को किया गया।

आरोपी की पत्नी भी मामले में रही सहयोगी जब उक्त परीक्षाओं की अंक तालिका और डिप्लोमा मांगा गया तो वह टालमटोल करने लगा। दिसंबर 2023 में आरोपी ने मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया। आरोपी की पत्नी भी उक्त संस्थान के संचालन में सहयोग करती थी। ठगी का एहसास होने पर जानकारी की गई तो पता चला कि आरोपी ने आरोपी द्वारा संचालित संस्थान की किसी सरकारी संस्थान से संबद्धता नहीं है। छात्र-छात्राओं से ठगी कर धन अर्जित करता है। पीडित ने इस मामले की शिकायत पुलिस में की। एसपी को भी डाक से शिकायत पत्र भेजे गए लेकिन सुनवाई नहीं हुई। आखिर पीडित ने कोर्ट की शरण ली। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आरोपी धर्मेंद्र कुमार शर्मा उर्फ डीके, उसकी पत्नी और अन्य स्टाफ के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है।

एस्ट्राजेनेका इंडिया का 2030 तक 15 नई दवाएं लाने का लक्ष्य

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार एस्ट्राजेने. का फार्मा इंडिया लिमिटेड के कंट्री प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. संजीव पांचाल ने कंपनी की महत्वाकांक्षी योजनाओं के बारे में बताया कि वे 2030 तक लगभग 15 नई दवाइयां लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं। एस्ट्राजेनेका भारतीय दवा बाजार में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव कर रही है।

अपने 20 वर्षों के अनुभव से, क्या आप इस वृद्धि को चलाने वाले कारकों के बारे में जानक. ारी दे सकते हैं? हमारी वृद्धि एक समग्र दृष्टिकोण से प्रेरित है, जो स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने और पुरानी बीमारियों वाले व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य देखभाल को बदलने के लिए विज्ञान की शक्ति का उपयोग करने पर केंद्रित है। नवाचार और विज्ञान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता जीवन बदलने वाली दवाओं की हमारी पाइपलाइन में स्पष्ट है, जिसे मरीजों की अपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। ऑन्कोलॉजी में, हम विज्ञान का अनुसरण करके, कैंसर की जटिलताओं को समझकर और जीवन बदलने वाले उपचार विकसित करके कैंसर देखभाल को फिर से परिभाषित करने की क्रांति का नेतृत्व कर रहे हैं। इसी तरह, बायोफार्मास्युटिकल्स में हमारा काम प्रमुख स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों का समाधान करना, बीमारी की प्रगति को रोकना, छूट प्राप्त करना और अंततः अरबों लोगों के जीवन को बेहतर बनाना है। दुर्लभ रोग चिकित्सा क्षेत्र में हमारा हालिया प्रवेश महत्वपूर्ण अधूरी जरूरतों को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दुनिया भर में दुर्लभ बीमारियों से प्रभावित लाखों लोगों के साथ , हमारा मिशन अभिनव दवाओं, सहायक प्रौद्योगिकियों और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से उनके जीवन को बदलना है।

ऑर्किड फार्मा को एंटीबायोटिक दवा संयोजन के विपणन के लिए डीसीजीआई की मंजूरी मिली

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार ऑर्किड फार्मा ने कहा कि उसे जटिल मूत्र पथ संक्रमण के उपचार के लिए एक एंटीबायोटिक दवा के निर्माण और विपणन के लिए नियामक डीसीजीआई से मंजूरी मिल गई है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने सूखे पाउडर इंजेक्शन के रूप में सेफेपाइम और एनमेटाजोबैक्टम के तैयार खुराक के रूप में निर्माण और विपणन की अनुमति दी है , दवा फर्म ने एक बयान में कहा। यह दवा जटिल मूत्र पथ संक्रमणों के उपचार के लिए संकेतित है जिसमें तीव्र पाइलोनफ्राइटिस, वेंटिलेटर-एसोसिएटेड निमोनिया (वीएपी) सहित अस्पताल अधिग्रहित निमोनिया और बैक्टीरिया शामिल हैं। ऑर्किड फार्मा ने कहा कि डीसीजीआई ने इसके द्वारा आविष्कृत नई रासायनिक इकाई सक्रिय दवा घटक एनमेटाजोबैक्टम के उत्पादन और विपणन के लिए भी स्वीकृति प्रदान की है।

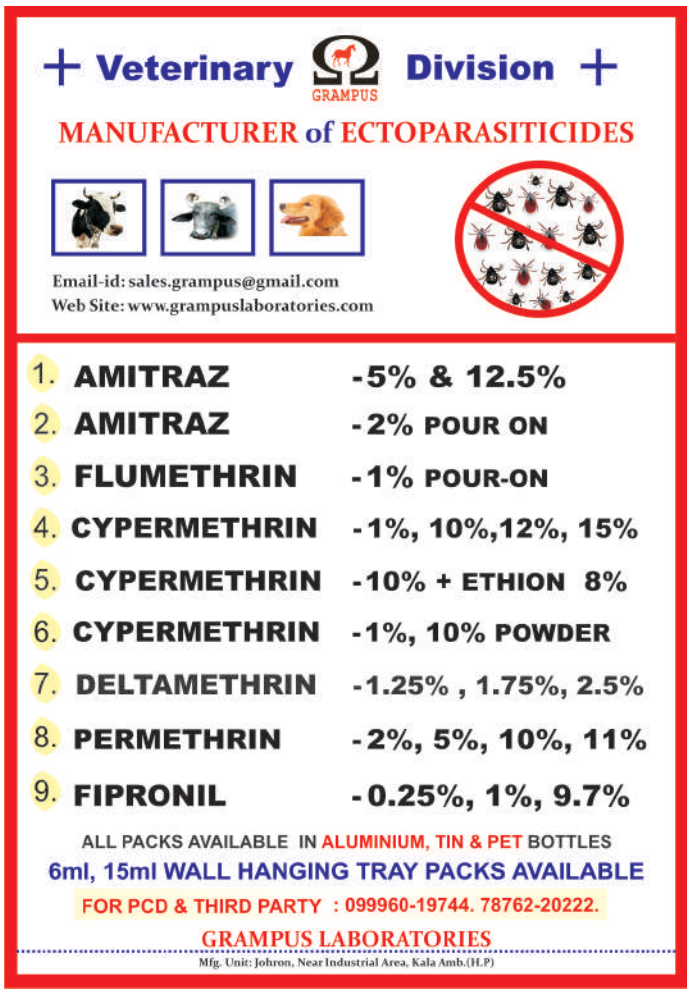

आरजी हॉस्पिटल्स ने प्रोस्टेट के लिए नैनो स्लिम लेजर सर्जरी की शुरुआत की

चेन्नई: आरजी हॉस्पिटल्स, यूरोलॉजी और मिनिमली इनवेसिव सर्जरी के क्षेत्र में एक अग्रणी नाम, प्रोस्टेट उपचार में एक अभूतपूर्व प्रगति की घोषणा करने पर गर्व करता है : आरजी नेक्सजेन प्रोस्टेट ट्रीटमेंट - नैनो स्लिम एमआईपीएस (मिनिमली इनवेसिव प्रोस्टेट सर्जरी) का शुभारंभ। यह अत्याधुनिक प्रक्रिया उन्नत 100W और 152W होल्मियम लेजर द्वारा संचालित है, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि आरजी हॉस्पिटल्स दक्षिण भारत में शक्तिशाली 152W होल्मियम लेजर पेश करने वाला पहला संस्थान बन गया है। चेन्नई में 1995 में स्थापित, आरजी हॉस्पिटल्स ने लिथोट्रिप्सी की शुरुआत की, जिसने गुर्दे की पथरी के इलाज में क्रांति ला दी और अस्पताल को यूरोलॉजिकल देखभाल में अग्रणी के रूप में स्थापित किया।

आरजी नेक्सजेन प्रोस्टेट ट्रीटमेंट - नैनो स्लिम एमआईपीएस का शुभारंभ आरजी हॉस्पिटल्स की रोगियों के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए उन्नत तकनीकों का लाभ उठाने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। 152W होल्मियम लेजर, दक्षिण भारत में अपनी तरह का पहला, सौम्य प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया और अन्य प्रोस्टेट-संबंधी स्थितियों के उपचार में एक महत्वपूर्ण छलांग का प्रतिनिधित्व करता है। यह उच्च शक्ति वाला लेजर सटीक, कुशल और न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी को संभव बनाता है, जिससे रिकवरी का समय कम होता है और समग्र रोगी संतुष्टि में सुधार होता है। आरजी हॉस्पिटल्स में, हमारा यूरोलॉजी और मिनिमली इनवेसिव सर्जरी संस्थान उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में खड़ा है। एंडो-यूरोलॉजी और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में 38 से अधिक वर्षों की अग्रणी प्रगति के साथ आरजी हॉस्पिटल्स, चेन्नई में यूरोलॉजी के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अरुण कुमार ने कहा, हमारा लक्ष्य चिकित्सा परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव का उत्प्रेरक बनना है, बेजोड़ देखभाल प्रदान करना और स्वस्थ, खुशहाल समुदायों में योगदान देना है।

हिमाचल प्रदेश: हमीरपुर के 12 गांवों में डायरिया फैला, 200 से अधिक प्रभावित

हमीरपुर: प्राप्त समाचार के अनुसार हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में डायरिया का प्रकोप फिर से बढ़ गया है और एक सप्ताह से भी कम समय में जिले के 12 गांवों के 200 से अधिक लोग बीमार पड़ गए हैं, अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मार्च में भी इसी तरह का प्रकोप देखने को मिला था, जिससे जिले के 400 से अधिक लोग प्रभावित हुए थे। प्रशासन को इसे नियंत्रण में लाने में लगभग 10 दिन लगे थे। उन्होंने कहा कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने लम्बलू, चमनेड़, गसोता, बफरीन और पंधेर ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आने वाले प्रभावित गांवों में अपनी टीम भेजी है। हमीरपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके अग्निहोत्री ने बताया कि डायरिया के 44 नए मामले सामने आए।

रीजनल अध्यक्ष दीपक शर्मा का संभल में हार्दिक स्वागत

सीनियर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन OCDUP मुरादाबाद मंडल रीजनल अध्यक्ष दीपक शर्मा जी का संभल में हार्दिक स्वागत किया गया जिसमें सीनियर केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित कुमार अग्रवाल जी महासचिव नवनीत कुमार शर्मा उर्फ संदीप संगरक्षक राजेश अग्रवाल जिले के कोषाध्यक्ष सुमित कुमार वाष्णेय, उपाध्यक्ष प्रवीण वार्ष्णेय, रत्न कुमार वार्ष्णेय, संगठन मंत्री मोहम्मद शम्सी सभी लोगो ने जोन अध्यक्ष जी का हार्दिक स्वागत किया और जोन अध्यक्ष दीपक शर्मा जी को होने वाली समस्या से अवगत कराया दीपक शर्मा ने कहा यह जो आपकी समस्या है OCDUP महामंत्री को अवगत कराई जाएंगी और उन्होंने हमारे संघटन को मजबूत करने के लिए अमित कुमार अग्रवाल जी से अग्रय किया जिले की टीम को अच्छी तरह से मजबूत किया जाए और महामंत्री नवनीत कुमार शर्मा ने सबका आभार प्रकट किया।

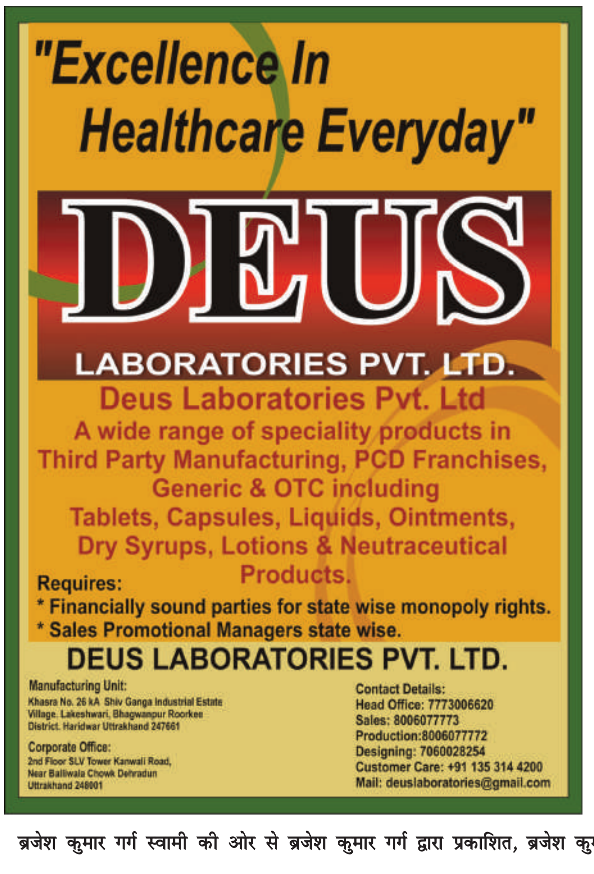

अवैध विज्ञापन मामले में कोर्ट में पेश नहीं होने पर बाबा रामदेव को समन

कोझिकोड (केरल): अवैध विज्ञापन मामले में कोर्ट में पेश नहीं होने पर बाबा रामदेव को समन जारी हुए हैं। बता दें कि अवैध विज्ञापनों के एक मामले में कोझिकोड कोर्ट में पतंजलि उत्पादों को बनाने वाली कंपनी दिव्य फार्मेसी के खिलाफ सुनवाई 6 अगस्त को होने वाली है। इस मामले में बाबा रामदेव और उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण को आरोपी बनाया गया है। इस मामले के आरोपी बाबा रामदेव और उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण आज कोर्ट में पेश नहीं हुए, इसलिए मामले को विचारार्थ स्थानांतरित कर दिया गया। केरल के कोझिकोड न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट कोर्ट द्वारा उन्हें समन भेजा गया। शिकायत में बाबा रामदेव को दूसरा और आचार्य बालकृष्ण को तीसरा आरोपी बनाया गया है। प्रतिवादी पतंजलि समूह की दवा कंपनी दिव्य फार्मेसी है। जानकारी के अनुसार दिव्य फार्मेसी पर भ्रामक विज्ञापन जारी करने के लिए ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट द्वारा मामला दर्ज किया गया। उनके खिलाफ ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

54 बीमारियों के लिए दवा का विज्ञापन है प्रतिबंधित : गौरतलब है कि कोझिकोड कोर्ट में यह मामला समाचार पत्रों में प्रकाशित विज्ञापनों से संबंधित है। डॉक्टर केवी बाबू ने राज्य औषधि नियंत्रक से शिकायत की थी। बताया गया कि वे यौन समस्याओं और बांझपन के लिए वैज्ञानिक समाधान होने का दावा करते हुए पांच दवाओं का विज्ञापन कर रहे थे। कानून यौन समस्याओं और बांझपन सहित 54 बीमारियों के लिए दवा के विज्ञापन को प्रति. बंधित करता है। इसलिए पतंजलि की दिव्य फार्मेसी ने कानून का उल्लंघन करते हुए विज्ञापन दिया। इसलिए अवैध विज्ञापन मामले में कोर्ट में पेश नहीं होने पर बाबा रामदेव को समन जारी हुए हैं।

ब्रजेश कुमार गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एण्ड पैकिंग लिमिटेड नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं बी.एन.मैडीकल कॉम्प्लैक्स, बुलन्दशहर से प्रकाशित सम्पादक- ब्रजेश कुमार गर्ग.